आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹
डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6
www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

मोदी पर भारी पड़े चीन-अमेरिका

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 45 ● अंक: 01 ● नई दिल्ली ● 05 से 11 जनवरी 2025

|| सनत जैन ||

चीन ने लद्दाख की सीमा पर एक बार फिर अवैध रूप से घुसपैठ शुरू कर दी है। भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में चीन ने नए निर्माण शुरू कर दिए हैं और दो नए गांव भी बसा दिए हैं। लद्दाख के लोगों को अब अपने पशुओं को चराने में दिक्कत हो रही है। चीन अवैध कब्जा करने के लिए पहले चार कदम चलकर कब्जा करता है। फिर एक या दो कदम पीछे हटकर अवैध कब्जे को पुख्ता करता है, फिर चार कदम आगे बढ़ता है। चीन की यह प्रवृत्ति कई दशकों से देखने को मिलती रही है। इस बार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने लद्दाख क्षेत्र में जो अवैध कब्जा चीन ने किया है, उस पर नाराजगी जताई है। चीन ने तिब्बत की सीमा पर बह रही ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने का काम शुरू कर दिया है। जिसके कारण भारत के हितों को बाधित करने का काम चीन कर रहा है। लद्दाख के स्थानीय

लोग बार-बार केंद्र सरकार को आगाह करते आ रहे हैं। लद्दाख की सीमा पर बड़ी तेजी के साथ चीन अपना अवैध कब्जा बढ़ाता चला जा रहा है। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कुछ साल पहले यह कहकर, भारत से अधिक शक्तिशाली चीन है, हम उससे कैसे लड़ाई कर सकते हैं, अपनी कमजोरी बता दी थी। गलवान में चीन ने जब अवैध कब्जा किया था। उस समय भारत सरकार ने यह कह दिया, ना कोई कब्जा हुआ है, ना कोई कब्जा होने देंगे। उसके बाद से ही चीन ने लद्दाख और तिब्बत में धीरे-धीरे अपना कब्जा बढ़ाना शुरू कर दिया। चीन भारत की कमजोरी को समझ गया है। रही सही कसर अब अमेरिका पूरी कर रहा है। पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार की विदेश नीति में बड़े बदलाव हुए हैं। व्यापारिक हितों को देखते हुए भारत सरकार ने रूस-चीन और अमेरिका के साथ अपने फायदे के लिए बार-बार नीतियों में बदलाव किया है। भारत की मौका परस्ती के कारण अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप जैसे व्यक्ति राष्ट्रपति बनने के पहले ही भारत के साथ जिस

शेष पृष्ठ 2 पर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी पर देश के युवाओं के भविष्य को मिटाने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा- बीजेपी भारत के युवाओं का एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य खत्म कर रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो परीक्षा समय पर नहीं होती। परीक्षा हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और युवा न्याय मांगते हैं, तो उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में यूपी और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया। वह भी तब जब सीएम ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। बीजेपी सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। बीजेपी को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे।

शेष पृष्ठ 2 पर

इस साल एनडीए की विदाई तय

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

राजद सुप्रीमो लालू यादव के एक बयान से बिहार की राजनीति में बवाल मच गया है। लालू ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे खुले हैं और वह चाहें तो उनके साथ आ सकते हैं। वहीं, सीएम नीतीश कुमार ने लालू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आप क्या कह रहे हैं, छोड़िए।' जेडीयू नेता विजय चौधरी ने भी लालू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी पार्टी में कोई भ्रम नहीं है, पार्टी और मुख्यमंत्री का स्टैंड

साफ है कि हम एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे।

वहीं, लालू के बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए अपने पिता से अलग रुख दिखाया है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि नए साल में बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि नए साल में मेरे चाचा नीतीश कुमार को सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा। वह 20 साल से सत्ता में हैं। अगर एक ही फसल इतने लंबे समय तक बोई जाए तो मिट्टी बर्बाद हो जाती है। इसलिए, नीतीश जी और राजग के जाने का समय आ गया है।

आपको बता दें कि नए साल के मौके पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को फिर से अपने साथ आने का

शेष पृष्ठ 2 पर

भागवत के मंदिर-मस्जिद बयान

अब सामने आया असली मकसद

|| विनीता यादव ||

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों एक भाषण में कहा था कि हमें हर मस्जिद में मंदिर खोजने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग हर राम मंदिर जैसा विषय खड़ा करके हिंदू नेता बनना चाहते हैं। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान का एक वर्ग ने समर्थन किया तो वहीं हिंदूवादी संगठनों और कुछ संतों ने राय को खारिज कर दिया। यही नहीं पिछले सप्ताह आरएसएस से जुड़ी पत्रिका ऑर्गनाइजर ने सोमनाथ से संभल तक की एक कवर स्टोरी लगाई थी और इसे सभ्यतागत न्याय का सवाल बताया था। लेकिन अब

आरएसएस से ही जुड़ी मैगजीन पांचजन्य में मोहन भागवत की राय को सही बताया गया है।

आरएसएस के मुखपत्र 'पांचजन्य' के संपादक हितेश शंकर के 28 दिसंबर के संपादकीय में कहा गया है, आरएसएस प्रमुख मोहनराव भागवत के मंदिरों पर दिए गए हालिया बयान के बाद मीडिया जगत में घमासान (वाकयुद्ध) छिड़ गया है। या यूं कहें कि यह जानबूझकर किया जा रहा है। एक स्पष्ट बयान के अलग-अलग अर्थ निकाले जा रहे हैं। हर दिन नई प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्होंने कहा कि

शेष पृष्ठ 2 पर

ममता बनर्जी ने केंद्रीय बलों पर बड़ा आरोप लगाया

ममता ने दावा किया कि राज्य को अस्थिर करने के लिए बांग्लादेशी आतंकवादियों को बंगाल में घुसने दिया जा रहा है। इसे केंद्र का नापाक खाका बताते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफ बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है और महिलाओं पर अत्याचार भी कर रही है। एक प्रशासनिक बैठक के दौरान ममता बनर्जी की टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे के कुछ सप्ताह बाद आई है कि बांग्लादेश से घुसपैठ बंगाल में शांति को बाधित कर रही है।

ममता ने दावा किया कि लोग बीएसएफ इस्लामपुर से, सीताई से, चोपड़ा से प्रवेश कर रहे हैं, हमारे पास खबर है। केंद्र पर आरोप लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि आप विरोध क्यों नहीं

कर रहे? सीमा बीएसएफ के हाथ में है। अगर कोई सोचता है कि वे बंगाल में घुसपैठ कर रहे हैं और तृणमूल को बदनाम कर रहे हैं, तो उन्हें चेतावनी दी जानी चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस ये काम नहीं करती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बीएसएफ के गलत कामों का समर्थन कर तृणमूल को गाली न दें।

ममता ने कहा कि बीएसएफ विभिन्न इलाकों से बंगाल में घुसपैठ करा रही है और महिलाओं पर अत्याचार कर रही है। सीमा हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए अगर कोई टीएमसी पर घुसपैठ की अनुमति देने का आरोप लगाता है, तो मैं कहूंगा कि यह बीएसएफ की जिम्मेदारी है। इसके लिए टीएमसी को दोष न दें।

संपादकीय

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेस या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

मुफ्त की सौगात राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवड़ियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है।

एनडीएमसी अध्यक्ष ने छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ

एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने अटल आदर्श विद्यालय और नवयुग स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 7000 से अधिक छात्रों को सहायता प्रदान करने के उद्देश से पहला करियर मार्गदर्शन परामर्श कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम का संचालन आसमान फाउंडेशन और आईड्रीम करियर द्वारा किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को एक साइकोमेट्रिक मूल्यांकन परीक्षण से गुजरना होगा, जिसके बाद काउंसलिंग टीम द्वारा व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि छात्रों को उनकी रुचियों, व्यक्तित्व और योग्यता के स्तर के अनुसार उनके करियर की यात्रा के लिए उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों का चयन करने में मदद मिल सके। प्रत्येक छात्र को 16-पृष्ठों की विश्लेषण रिपोर्ट और 560+ करियर,

1000+ परीक्षाएं और छात्रवृत्ति, 25000+ कॉलेजों की अच्छी तरह से शोध की गई सामग्री वाला एक सूचना पोर्टल प्रदान किया जाएगा। एनडीएमसी के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर था, जब अध्यक्ष ने छात्रों को करियर, तनाव और समय प्रबंधन, परीक्षा की चिंता और बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए परामर्श देने के लिए एक हेल्पलाइन भी शुरू की, जो उन्हें केवल एक फोन कॉल पर उपलब्ध होगी।

पृष्ठ 1 का शेष

मोदी पर भारी पड़े चीन-अमेरिका

तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। इसे आसानी से समझा जा सकता है। भारत के लिए अमेरिका में मुसीबत बढ़ना शुरू हो गई है। रूस से जिस तरह के संबंध पहले भारत के थे। अब वह संबंध नहीं रहे। रूस पर जब अमेरिकी प्रतिबंध लगे, भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल आयात किया, भारी मुनाफा कमाया। यह मुनाफा भारत सरकार को नहीं वरन उनके दो मित्रों को हुआ। रूस और अमेरिका को भारत सरकार ने अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। जिसके कारण भारत की विश्वसनीयता और भारत के साथ संबंधों पर इसका असर पड़ा। ऐसा लगता है, वर्तमान में कोई भी महाशक्ति भारत सरकार पर विश्वास नहीं कर पा रही है। अमेरिका-रूस और चीन तीनों से भारत के बड़े आर्थिक और व्यापारिक संबंध हैं। भारत सरकार के लिए तीनों महाशक्तियों के साथ विश्वसनीयता का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रही-सही कसर विश्व गुरु बनने के लिए मोदी और ट्रंप में होड़ लग गई है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आप को विश्व गुरु बताते हैं। विश्व गुरु बनने की आकांक्षा अब डोनाल्ड ट्रंप में भी जाग गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव के समय नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात करना गंवारा नहीं किया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप उनसे संपर्क कर रहे थे। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के रिश्ते में तनाव आया है। जो बयान अभी डोनाल्ड ट्रंप के आ रहे हैं। उससे स्पष्ट रूप से यह समझ आ रहा है, दोस्त दोस्त ना रहा। रही सही कसर एलन मस्क पूरी कर रहे हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को अपनी विदेश नीति और महाशक्तियों के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। सारे विश्व में आर्थिक मंदी का नया दौर शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। यही अब समय की पुकार है।

पेपर लीक और युवाओं...

इससे पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस ने एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें कुछ लोग जेल के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि अराजकता और अन्याय मोहन सरकार की कार्यशैली के मुख्य अंग हैं। बाबा साहब के संविधान और लोकतंत्र से इन्हें सख्त नफरत है। एमपीपीएससी की अनियमितताओं और अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्र राधे जाट और रजत को जेल भेजना मोहन सरकार के अन्याय की पराकाष्ठा है। मोहन सरकार इन पर लादे गए झूठे प्रकरण तुरंत वापस लें।

इस साल एनडीए की विदाई तय

ऑफर दिया है। लालू यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार के लिए राजद के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार को भी अपने दरवाजे खुले रखने चाहिए। इतना ही नहीं, लालू ने यहां तक कह दिया कि नीतीश कुमार भले ही भाग जाएं लेकिन हमने उन्हें माफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को माफ करना उनका कर्तव्य है।

मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में नीतीश को लेकर राजद में असमंजस की स्थिति है. एक तरफ लालू ने नीतीश कुमार को साथ आने का ऑफर दिया है तो दूसरी तरफ तेजस्वी उन पर निशाना साध रहे हैं। तेजस्वी ने कहा है कि 2025 नीतीश कुमार के लिए अलविदा साल साबित होगा और नए साल में बिहार में नई सरकार बनेगी। उन्होंने नीतीश कुमार को थका हुआ नेता बताते हुए कहा कि 'वह थक चुके हैं।

भागवत के मंदिर-मस्जिद बयान अब सामने आया असली मकसद

इन प्रतिक्रियाओं में स्वतःस्फूर्त सामाजिक राय के बजाय सोशल मीडिया विशेषज्ञों द्वारा उत्पन्न किया गया कोहराम और उन्माद अधिक दिखाई देता है। संपादकीय में कहा गया कि भागवत का बयान समाज से इस मुद्दे के प्रति समझदारी भरा रुख अपनाने का स्पष्ट आह्वान है।

इसमें कहा गया है, यह सही भी है। मंदिर हिंदुओं की आस्था के केंद्र हैं, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए उनका इस्तेमाल कतई स्वीकार्य नहीं है। आज के दौर में मंदिरों से जुड़े मुद्दों पर अनावश्यक बहस और भ्रामक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना चिंताजनक प्रवृत्ति है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। संपादकीय के अनुसार, खुद को सामाजिक कहने वाले कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया मंचों पर स्वयंभू रक्षक और विचारक बन बैठे हैं। ऐसे अविवेकी विचारकों से दूर रहने की जरूरत है जो समाज के भावनात्मक मुद्दों पर जनभावनाओं का इस्तेमाल करते हैं। संपादकीय में कहा गया है कि भारत एक ऐसी सभ्यता और संस्कृति का नाम है, जिसने हजारों वर्षों से न केवल अनेकता में एकता के दर्शन का प्रचार किया, बल्कि उसे जीया और आत्मसात भी किया।

इसमें कहा गया है,यह भूमि केवल भौगोलिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक मूल्यों का जीवंत स्पंदन है। ऐसे में मंदिरों का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और ऐतिहासिक भी है। संपादकीय में कहा गया है कि ऐतिहासिक और आध्यात्मिक मूल्यों से रहित, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ से भरे कुछ तत्वों ने अपनी राजनीति को बढ़ावा देना, समुदायों को भड़काना और हर गली और इलाके में हिंदू मंदिरों को बचाने की आड़ में खुद को सर्वश्रेष्ठ हिंदू विचारक के रूप में पेश करना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है,मंदिरों की खोज को सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत करना शायद मीडिया के लिए भी एक चलन बन गया है और यह एक प्रकार का मसाला है, जो 24 घंटे चलने वाले (समाचार) चैनलों और समाचार बाजार की भूख को पूरा रखता है।

गरीबों को पक्का घर देना मेरा सपना

॥ उमेश जोशी ॥

पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वाभिमान अपार्टमेंट, अशोक विहार, दिल्ली में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इसके साथ ही उन्होंने झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के निवासियों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों के लाभार्थियों को चाबियां सौंपी। प्रधानमंत्री ने इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन नयी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर, द्वारका में पश्चिमी परिसर और नजफगढ़ के रोशनपुरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वीर सावरकर कॉलेज का भवन शामिल है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन गया है। 2025 में भारत की यह भूमिका और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विश्व में भारत की स्थिति मजबूत करने का वर्ष होगा। यह भारत को दुनिया के सबसे बड़े विनिर्माण केंद्रों में से एक बनाने का वर्ष होगा।

फोटो : कमलजीत सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और कहा कि मैंने 4 करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपनों को पूरा किया और अपने लिए कभी घर नहीं बनाया। उन्होंन तंज भरे लहजे में कहा कि चाहता तो 'शीश महल' मैं भी बनवा सकता था। दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और शहर के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए, पीएम ने सत्तारूढ़ पार्टी को आपदा करार दिया।

दिल्ली में झुग्गीवासियों के लिए आवास परियोजना की शुरूआत करते हुए पीएम ने कहा, 'मैं शीशमहल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए मेरा सपना था कि मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले।' आप पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने शराब घोटाला, स्कूल घोटाला और प्रदूषण घोटाला किया है। वे खुलेआम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और इसे प्रचारित भी कर रहे हैं। यह दिल्ली के लिए एक आपदा है, और निवासियों ने इस आपदा के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं।

उन्होंने दावा किया कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली एक सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे'।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर प्रक्रिया शुरू

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में एक स्मारक बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्मारक के लिए कई स्थानों का सुझाव दिया गया है और डॉ. सिंह के परिवार को इनमें से चुनने के लिए विकल्प दिए गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि स्थान पर अंतिम निर्णय से निर्माण प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त होगा, लेकिन काम शुरू होने से पहले कुछ महत्वपूर्ण औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।

स्मारक के लिए प्राथमिक आवश्यकताओं में से एक ट्रस्ट का गठन है। वर्तमान नीति के तहत, ऐसे स्मारकों के लिए भूमि केवल ट्रस्ट को आवंटित की जा सकती है, व्यक्तियों या अन्य संस्थाओं को नहीं। यह ट्रस्ट भूमि आवंटन के लिए आवेदन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक बार ट्रस्ट बन जाने के बाद यह औपचारिक रूप से स्मारक के लिए भूमि का अनुरोध करेगा

और आवंटन के बाद स्मारक का निर्माण शुरू करने के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

सूत्र बताते हैं कि सरकार डॉ. सिंह के स्मारक के लिए एक से डेढ़ एकड़ जमीन आवंटित करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, साइट के लिए संभावित स्थानों में राजघाट, राष्ट्रीय स्मृति स्थल और किसान घाट के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक स्थान हैं। शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारी इन स्थानों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए राजघाट के आस-पास के क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं।

इन प्रसिद्ध स्थलों के अलावा, नेहरू-गांधी परिवार के नेताओं जैसे जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और संजय गांधी की समाधि के पास एक स्थान का चयन करने की भी संभावना है। इससे डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक अन्य प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के समाधि स्थलों के करीब हो सकता है, जिससे इस स्थल का ऐतिहासिक महत्व और बढ़ जाएगा।

हालांकि विचार-विमर्श अब भी जारी है, लेकिन ट्रस्ट के गठन और स्मारक के स्थान के अंतिम चयन के बाद जल्द ही एक ऐसे स्मारक का निर्माण किया जाएगा जो भारत के एक राजनेता और नेता के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह की विरासत को सम्मान देगा। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि सरकार ने मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का फैसला किया है और इस बारे में उनके परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सूचित कर दिया गया है। सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले देश के प्रधानमंत्रियों में से एक, डॉ. मनमोहन सिंह का गत 26 दिसंबर को निधन हो गया। उन्हें आर्थिक सुधारों का वास्तुकार माना जाता था।

ज्योतिष अवार्ड से सम्मानित हुए डॉ आचार्य मनोज

अखिल भारतीय ज्योतिष महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आचार्य मनोज नय्यर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा ज्योतिष अवार्ड से सम्मानित हुए यह सम्मान उन्हें ज्योतिष के क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों से उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मिला। कार्यक्रम का आयोजन देहरादून की ग्राफीक एरा यूनिवर्सिटी में किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमर उजाला न्यूज पेपर द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिरकत की। कार्यक्रम में देश 108 उच्च कोटी के ज्योतिषँच'र्यो ने शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य मंत्री जी ने कहा कि अध्यात्म और ज्योतिष विज्ञान की राह पर चलते हुए भारत विश्व गुरु बनेगा।

आचार्य मनोज को पहले भी सन 2019 में ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के इसी कार्यक्रम में तत्कालीन मुख्य मंत्री पुष्पेंदर सिंह रावत ने सम्मानित किया था। आचार्य मनोज ने उनकी 25 वर्षो की ज्योतिष के क्षेत्र में की हुई मेहनत का एक फल बताया उन्होंने इसका श्रेय अपने ज्योतिष गुरु के एन राव साहिब को दिया।

कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी में केंद्रः केजरीवाल

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर पंजाब में प्रदर्शनकारी किसानों को कुछ हुआ तो भाजपा जिम्मेदार होगी। आपको बता दें कि पंजाब के किसान एमएसपी पर कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन उपवास पर हैं। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं। इनकी वही मांगे हैं जो केंद्र सरकार ने तीन साल पहले मान ली थी लेकिन अभी तक लागू नहीं की।

केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी सरकार अब अपने वादे से मुकर गई। बीजेपी सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। उनसे बात तो करो। हमारे ही देश के किसान हैं। उन्होंने सवाल किया कि बीजेपी को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है कि किसी से बात भी नहीं करते? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पंजाब में जो किसान अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं, भगवान उन्हें सलामत रखें लेकिन यदि उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए बीजेपी ज़िम्मेदार होगी।

आप प्रमुख ने कहा कि देशभर के किसानों की जानकारी के लिए मैं बता दूँ कि जो तीन काले कानून केंद्र ने तीन साल पहले किसानों के आंदोलन की वजह से वापिस लिए थे, उन्हें 'पालिसी' कहकर केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी कर रही है। इस पालिसी की कॉपी उनके विचार जानने के

लिए केंद्र ने सभी राज्यों को भेजी है। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की आप सरकार पर किसानों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र भी लिखा है जिसमें मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोग केंद्र द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन न होने से परेशान और चिंतित हैं। शिवराज ने पत्र में कहा कि मैं बहुत दुःख के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। आपने कभी भी दिल्ली में किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिए। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को भी आपकी सरकार ने दिल्ली में लागू होने से रोक दिया है।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि आपकी सरकार को किसानों से कोई सहानुभूति नहीं है। आज दिल्ली के किसान परेशान और चिंतित हैं। केंद्र की कई किसान कल्याण योजनाओं को दिल्ली सरकार द्वारा लागू न करने के कारण किसान भाई-बहन इन योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन चिंता की बात है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया है।

शिवराज सिंह चौहान ने साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने सरकार में आते ही जनहितैषी निर्णयों को लेने के स्थान पर अपना रोना रोया है। 10 वर्षों से दिल्ली में आप की सरकार है, लेकिन पूर्व सीएम केजरीवाल ने हमेशा किसानों के साथ केवल धोखा किया है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन चिंता की बात है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया है।

लुई ब्रेल की 216वीं जयंती पर ब्लाइंड पर्सन्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित समारोह

फोटो : अनिल मनचंदा

ब्लाइंड पर्सन्स एसोसिएशन, जो बुरारी में एक ब्लाइंड गर्ल्स हॉस्टल चलाता है, ने लुई ब्रेल, ब्रेल सिस्टम के आविष्कारक, की 216वीं जयंती का जश्न बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें एस. के. भंडारी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, ने हॉस्टल को सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार की आवश्यकता पर जोर दिया।

एस. के. भंडारी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को ब्लाइंड गर्ल्स हॉस्टल को सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। "यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन लड़कियों को एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधनों और सुविधाएं प्रदान करें," उन्होंने कहा "सरकार को हॉस्टल को बेहतर सुविधाएं और अवसर प्रदान करने के लिए समर्थन देना चाहिए ताकि ब्लाइंड लड़कियां अपनी शिक्षा और अन्य गतिविधियों में सफल हो सकें।"

विजय शंकर चतुर्वेदी, राष्ट्र टाइम्स के संपादक, ने लुई ब्रेल के योगदान के बारे में कहा कि उनका योगदान स्वर्णिम इतिहास में लिखा गया है। "लुई ब्रेल का योगदान ब्लाइंड समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और ब्लाइंड व्यक्तियों को उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए,"।

राजेंद्र सिंह यादव, एसोसिएशन के अध्यक्ष, ने दिल्ली सरकार और नागरिक समाज से ब्लाइंड गर्ल्स की शिक्षा और अन्य सुविधाओं के लिए समर्थन की अपील की। "हमें सरकार और नागरिक समाज के समर्थन की आवश्यकता है ताकि हम अपनी ब्लाइंड लड़कियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर प्रदान कर सकें।" हॉस्टल की ब्लाइंड गर्ल्स ने लुई ब्रेल की याद में कई नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एक स्मारिका भी जारी की गई, जिसमें लुई ब्रेल के जीवन, उनके योगदान और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया गया है। स्मारिका में कई राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के संदेश भी शामिल हैं।

एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड पर्सन्स एक गैर-लाभकारी संगठन है जो दिल्ली में ब्लाइंड व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए काम करता है। संगठन बुरारी में एक ब्लाइंड गर्ल्स हॉस्टल चलाता है, जो उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास सुविधाएं प्रदान करता है। एसोसिएशन देश के अन्य हिस्सों में भी ब्लाइंड व्यक्तियों को समय-समय पर योगदान देती है।'

इस अवसर पर एसोसिएशन की कोषाध्यक्ष सुश्री रोजी गौतम, महासचिव विजय कुमार, सचिव नितिन, उपाध्यक्ष टीकम, सोनू दास, पीआरओ सुश्री राखी अरोड़ा ने लुई ब्रेल को पुष्पांजलि दी कार्यक्रम का संचालन सुश्री अंबिका राजपूत ने बखूबी किया।

जहरीले कचरे को लेकर पीथमपुर में जबरदस्त बवाल

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के निपटान के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। हजारों निवासी सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में लाठीचार्ज करना पड़ा। हंगामा तब शुरू हुआ जब 1984 की गैस त्रासदी के लिए कुख्यात भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से 337 टन जहरीला कचरा पीथमपुर की एक औद्योगिक कचरा निपटान इकाई में ले जाया गया। भोपाल से धार जिले के पीथमपुर तक 250 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए कचरे को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से कड़ी सुरक्षा के बीच 12 सीलबंद कंटेनर ट्रकों में लाया गया।

जहरीले कचरे के आगमन से स्थानीय निवासियों में व्यापक गुस्सा फैल गया, जिसके कारण लगभग 1.75 लाख की आबादी वाले शहर पीथमपुर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। इसके मद्देनजर इलाके में बंद भी बुलाया गया था। बंद के आह्वान के बीच, दुकानें और बाजार बंद रहे, प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने आयशर मोटर्स के पास सड़क को अवरुद्ध कर दिया, लेकिन पुलिस ने उन पर काबू पा लिया और हल्के लाठीचार्ज के साथ सामान्य यातायात बहाल कर दिया।

धार कलेक्टर प्रियांक मिश्रा ने कहा कि यूसीआईएल का कचरा यहां लाए जाने के विरोध में पीथमपुर बस स्टैंड पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के परिणामस्वरूप उत्पन्न कानून व्यवस्था की स्थिति को पुलिस और प्रशासन नियंत्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि लोगों को विश्वास में लिए बिना कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हम वैज्ञानिक उपायों को ध्यान में रखे बिना आगे नहीं बढ़ रहे हैं।' हम फिर भी सारे संदेह दूर कर देंगे, छिपाने जैसा कुछ नहीं है. सभी से आग्रह है कि किसी भी कीमत पर कानून अपने हाथ में न लें।

एसपी धार, मनोज कुमार सिंह ने कहा कि यूसीआईएल का कचरा पीथमपुर लाए जाने को लेकर राज्य सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है। आम लोगों को विश्वास में लिये बिना कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को चिंता करने या कानून अपने हाथ में लेने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार निर्दोष लोगों की जान को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती है और नागरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखना सरकार की प्राथमिकता है। मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे कानून को अपने हाथ में न लें।

दिल्ली पुलिस के 30 रिश्वतखोर गिरफ्तार

॥ इंद्र वशिष्ठ ॥

दिल्ली पुलिस के भ्रष्ट पुलिसकर्मियों ने साल 2024 में वसूली/रिश्वतखोरी के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। साल 2024 में तीस भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि साल 2023 में 10-12 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि साल 2024 में दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचार के मामलों में तीन गुना वृद्धि हुई है। यह बहुत गंभीर और चिंताजनक स्थिति है।

भ्रष्टाचार के मामलों में जबरदस्त वृद्धि से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे पुलिस कमिश्नर संजय अरोरा और आईपीएस अफसरों की काबलियत और भूमिका पर भी सवालिया निशान लग जाता है। सीबीआई ने साल 2024 में (नवंबर तक) रिकार्ड तोड़ 24 से ज्यादा भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। सीबीआई ने नवंबर 2024 तक 30 से ज्यादा भ्रष्ट पुलिसकर्मियों के खिलाफ 20 से ज्यादा मामले दर्ज किए। सीबीआई ने साल 2023 में 10-12 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट ने भी नवंबर 2024 तक पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। इस तरह 2024 में लगभग 30 भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। यह संख्या तीस से ज्यादा भी हो सकती है क्योंकि कई मामलों में पुलिसकर्मी सीबीआई के छापे के दौरान भागने में सफल हो गए। जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया होगा। पुलिसकर्मियों के लगातार पकड़े जाने के बावजूद भ्रष्टाचार थम नहीं रहा है। ये तो सिर्फ भ्रष्टाचार में गिरफ्तार पुलिसकर्मियों के आंकड़े हैं। इसके अलावा अपराध में शामिल पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी के अनेक मामले साल 2024 में भी सामने आए।

दिल्ली में किसका खेल बिगाड़ेंगी मायावती

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी आप और भाजपा की मुश्किलें बढ़ाने की तैयारी में है। बहुजन समाज पार्टी की ओर से सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। इसको लेकर प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। उम्मीदवारों की पहली सूची जनवरी के मध्य तक जारी होने की संभावना है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा कि शहर को पांच क्षेत्रों में विभाजित किया गया है और सभी क्षेत्रों में उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

पार्टी की ओर से कहा गया है कि फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण दोनों हैं। एक नेता ने कहा कि उम्मीदवार-चयन प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रत्येक क्षेत्र में समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। ये केंद्रीय समन्वयक अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देंगे और उन्हें बहनजी (बसपा प्रमुख मायावती) को भेजेंगे। उम्मीदवारों पर अंतिम निर्णय इन सिफारिशों के आधार पर होगा। 15 जनवरी तक उम्मीदवारों की सूची फाइनल होने की उम्मीद है।

बसपा ने 2020 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन 0.71 प्रतिशत वोट शेयर हासिल कर एक भी सीट जीतने में असफल रही। पार्टी ने 2015, 2013 और 2008 में भी राजधानी की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ा। अधिकारी के मुताबिक, 2003 में उसने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था। बसपा का वोट शेयर 2015 में 1.13 प्रतिशत, 2013 में 5.35 प्रतिशत, 2008 में 14.05 प्रतिशत और 2003 में 5.76 प्रतिशत था। पार्टी ने 2008 में दिल्ली में अपना उच्चतम वोट शेयर हासिल किया और दो सीटें जीतीं।

बसपा पदाधिकारी ने कहा, वर्तमान में, जमीनी स्तर पर छोटे पैमाने पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जहां प्रमुख मुद्दों और एजेंडों पर चर्चा की जाती है और इन चर्चाओं के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

पीआर सोसाइटी ने एनटीपीसी के कार्यकारी निदेशक (सीसी) हरजीत सिंह को सम्मानित किया

पीआर सोसाइटी, दिल्ली ने एनटीपीसी के कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट संचार) हरजीत सिंह को उनके खास योगदान के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें एनटीपीसी लिमिटेड में कॉर्पोरेट संचार को मजबूत करने में उनके कार्य के लिए मिला। एक संक्षिप्त बैठक के दौरान सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्यों जी.एस. बावा, उमेश मेहता, विपिन खरबंदा, सुश्री रमा विजय और जे.पी. शर्मा ने सिंह के कुशल नेतृत्व की तारीफ की, जो बिजली क्षेत्र में कॉर्पोरेट संचार को बढ़ावा देने में सहायक रहा। एनटीपीसी के महाप्रबंधक (सीसी) के. एम. प्रशांत भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

हरजीत सिंह ने पीआर सोसाइटी द्वारा अनुभव और ज्ञान साझा करने के प्रयासों की सराहना की . पीआर सोसाइटी, दिल्ली के सचिव जी.एस. बावा ने इस बात का विशेष उल्लेख किया की सिंह के अभिनव दृष्टिकोण ने एनटीपीसी और व्यापक विद्युत क्षेत्र दोनों की सार्वजनिक छवि और प्रतिष्ठा को बेहतर किया है और जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार के मूल्यों को महत्वपूर्ण रूप से उन्नत किया है। सिंह को आने वाली पीढ़ियों के लिए रोल मॉडल माना जायेगा।

मनमोहन के घर में अखंड पाठ और भोग कार्यक्रम: सोनिया और खड़गे हुए शामिल

फोटो : जगन नेगी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके आवास पर अखंड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, और डॉ. सिंह के परिवार के सदस्य सहित कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ किया गया। कार्यक्रम में शामिल होने आईं कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने उन्हें सादगी का प्रतीक बताया तो पंजाब कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर अमृतसर में एक विश्वविद्यालय और एक मेमोरियल बनाने की मांग की।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, "डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन संघर्षों और सादगी से भरा रहा है। उनका जीवन शालीनता, सादगी और उच्च जीवन की मिसाल है। उसी तरह से उनकी अंतिम विदाई भी हुई। जिस कुशलता से उन्होंने देश की कमान संभाली, मुश्किल समय में देश की अर्थव्यवस्था संभाली। मुझे लगता है उनका जीवन बहुत से लोगों के लिए बड़ा पाठ है। राजनीतिक जीवन में शुचिता और गरिमा कैसी रहनी चाहिए, इसका उन्होंने बहुत बड़ा उदाहरण पेश किया।" कांग्रेस नेता और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, "मुझे बहुत बड़ा अफसोस है कि कार्यक्रम में सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं आया। हमें उम्मीद थी कि आज इस मौके पर सरकार के लोग आएंगे और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मेमोरियल पर जरूर कोई बात होगी। वह एक राष्ट्रीय पर्सनालिटी नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय शख्सियत हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी कई बार उनकी सराहना कर चुके हैं। सरकार को मेमोरियल बनाने के बारे में वचिार करना चाहिए। वह मनमोहन सिंह ही थे जिन्होंने करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। सूचना का अधिकार, भोजन का अधिकार समेत कई अधिकार उन्होंने देश को समर्पित किए। हमारी मांग है कि डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर अमृतसर शहर में एक विश्वविद्यालय और एक मेमोरियल बनाया जाए।"

गुजरात में अनोखा विवाह समारोह

गुजरात में ऐसा विवाह होने जा रहा है, जिसमें अंगदान का संकल्प लिया जाएगा। इतना ही नहीं विवाह के निमंत्रण के साथ ही कहा गया है कि अंगदान का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। मध्य गुजरात के वडोदरा में इस अनोखे विवाह समारोह का आयोजन किया गया है। वडोदरा के निवासी और भाजपा के कोषाध्यक्ष गोपाल रबारी ने अपने बेटे और बेटी की शादी में शामिल होने वाले सभी मेहमानों के लिए अंगदान का संकल्प अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए अंग दान के पंजीकरण के लिए क्यूआर कोड के साथ 2 प्रकार के निमंत्रण कार्ड. भी बनाए गए हैं। गोपाल रबारी के मुताबिक शुरूआत में हमने परिवार के बुजुर्गों से इस बारे में चर्चा की और उसके बाद ही 45 सदस्यों ने इस कोड को स्कैन किया और अंगदान का फॉर्म भरा। हमारे पास 7 गांवों के 120 लोगों का कुल परिवार है। सभी की मौजूदगी में इस फैसले पर मंजूरी ली गई। विवाह स्थल पर पारिवारिक तस्वीरों के साथ अंगदान के संबंध में एक क्यूआर कोड भी पोस्ट किया जाएगा। शादी समारोह में अंगदान के विचार को लेकर गोपाल रबारी ने बताया कि परिवार का एक सदस्य कुछ महीने पहले समाज के एक सदस्य के बारे में पूछताछ करने गए थे। जहां देखा कि उसके शरीर का एक अंग गायब है। उन्होंने सोचा कि यदि हमारा जन्म हुआ है तो हमें कुछ दान करना चाहिए। इसके बाद घर आकर परिवार से चर्चा और सभी सदस्यों से मुलाकात के बाद 120 बुजुर्गों की सहमति के बाद यह फैसला लिया गया। जिसमें सरकार के चिकित्सा विभाग द्वारा जारी क्यूआर कोड को स्कैन कर रजिस्ट्रेशन किया जाता है। 18 जनवरी को होनेवाले शादी समारोह में जो भी यह फॉर्म उस क्षेत्र में जमा किया जाएगा जहां का व्यक्ति निवासी है। इस फॉर्म का विवरण भरने में लगभग 30 मिनट का समय लगता है। साथ ही आपको कौन से अंग दान करने हैं इसकी जानकारी भी क्यूआर कोड स्कैन करने पर मिल जाएगी। शादी समारोह के लिए लगभग 2300 कार्ड छपवाए गए हैं, जिनमें से 500 लोगों ने शादी तय करने के बाद अब तक अंगदान के लिए पंजीकरण कराया है। रबारी परिवार को उम्मीद है कि इस आयोजन तक 2 हजार से ज्यादा लोग अंगदान के लिए रजिस्ट्रेशन कराएंगे। रबारी समाज के नोधाह परिवार द्वारा विवाह समारोह के बाद ऑनलाइन अंगदान फॉर्म भरने वाले सभी लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

साहित्य सभा ने एस.एस. डोगरा को 'श्री धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार 2024' से सम्मानित किया

॥ अशोक कुमार निर्भय ॥

फोटो : राजीव गुप्ता

साहित्य सभा, कैथल ने लेखक-पत्रकार प्रो. एस.एस. डोगरा को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और उपलब्धियों के लिए "श्री धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार 2024" से सम्मानित किया। यह पुरस्कार समारोह आर.के. एस.डी. कॉलेज के डायमंड जुबली ऑडिटोरियम में सभा द्वारा आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान हुआ।

साहित्य सभा के प्रेस सचिव डॉ. तेजिंदर ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उर्दू विंग के निदेशक डॉ. चंद्र त्रिखा ने की। कार्यक्रम में अकादमी के संस्कृत विंग के निदेशक डॉ. चित्तरंजन दयाल सिंह कौशल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में कमलेश शर्मा (संरक्षक), संजय गोयल (अध्यक्ष), अमृत लाल मदान (प्रमुख) और डॉ. प्रदुमन भल्ला (महासचिव) के साथ सभा की कोर टीम शामिल थी।

प्रो. डोगरा ने भारत के 18 राज्यों और शहरों तथा नेपाल में 326 से अधिक मीडिया कार्यशालाओं का संचालन किया है। उन्होंने मीडिया शिक्षा पर पाँच पुस्तकें लिखी हैं और कई डॉक्यूमेंट्री फिल्में भी बनाई हैं। पिछले पाँच वर्षों से वे नेपाल के काठमांडू से प्रकाशित हिंदी मासिक पत्रिका "हिमालिनी" के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. डोगरा दक्षिण एशिया के फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब के सक्रिय सदस्य और एक समर्पित समाजसेवी भी हैं।

यह सम्मान प्रो. डोगरा के शानदार करियर का एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो पत्रकारिता और मीडिया शिक्षा के प्रति उनकी असाधारण निष्ठा को उजागर करता है।

आरईसीपीडीसीएल ने एक ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट स्पेशल पर्पज व्हीकल को इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा

आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल), विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत महारत्न सीपीएसयू, आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गुरुग्राम में एक परियोजना विशिष्ट एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल) अर्थात राजस्थान IV 4बी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड को दिनेशचंद्र आर. अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को सौंप दिया है।

दिनेशचंद्र आर. अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड, बिल्ड, ओन, ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओओटी) आधार पर ट्रांसमिशन परियोजना के विकास के लिए बोली प्रक्रिया समन्वयक आरईसीपीडीसीएल द्वारा आयोजित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के माध्यम से ट्रांसमिशन सेवा प्रदाता (टीएसपी) के रूप में उभरी। ट्रांसमिशन योजना राजस्थान अक्षय ऊर्जा क्षेत्र से 3.5 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए बनाई गई है, जिसमें मेड़ता (राजस्थान) के पास 765/400 केवी, 2 1500 एमवीए सबस्टेशन की स्थापना, 577.97 किलोमीटर 765 केवी लाइन और 72.8 किलोमीटर 400 केवी लाइन के साथ-साथ संबंधित कार्य शामिल हैं। परियोजना की अनुमानित लागत 5177.41 करोड़ रुपये है।

आरईसीपीडीसीएल के सीईओ टीएससी बोश ने एसपीवी को दिनेशचंद्र आर. अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित कुमार को आरईसीपीडीसीएल, दिनेशचंद्र आर. अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड और सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में सौंपा। इस परियोजना को 24 महीने में क्रियान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

अभिनव भारत पार्टी सभी 70 सीटों पर उतारेगी अपने उमीदवार: चेतन शर्मा

अभिनव भारत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन शर्मा ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कहा कि दिल्ली एक महान राष्ट्र भारत की राष्ट्रीय राजधानी है और इस विरासत को सुरक्षित रखने के लिए अभिनव भारत पार्टी दिल्ली में होने वाले आगामी चुनाव में समस्त 70 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। अभिनव भारत पार्टी दिल्ली को वायु प्रदूषण व यमुना नदी को प्रदूषण से मुक्त करेगी तथा दिल्ली को विश्वगुरु भारत की राजधानी के रूप में स्थापित करने हेतु दृढ़ संकल्प लेती है।

चेतन शर्मा ने कहा हमारी अभिनव भारत पार्टी देशहित राष्ट्र हित के काम करने के लिए अग्रसर है बेशक हमारी पार्टी नई है लेकिन हमारे उद्देश्य बड़े है हमने अपनी पार्टी में पढ़े लिखे व समाज के प्रति जागरूकता फैलाने वाले लोगों को चुना है जो दिल्ली का विकास करना अपनी जिम्मेदारी समझता है प्रेस वार्ता में चेतन शर्मा ने कहा हमें आप सभी का सहयोग चाहिए तभी हम अच्छा और बेहतर काम कर सकते है। उन्होंने आप पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी को देशविरोधी एवं आतंकवादी पार्टी कहते है दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा चुकी है, मोहल्ला क्लिनिक में डॉक्टर नहीं हैं अपितु आप पार्टी के झोलाछाप कार्यकर्ता दिल्ली के लोगों का इलाज कर रहे हैं, जांच के नाम पर करोड़ों के घोटाले हो रहे हैं! दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक एवं अस्पतालों में नकली दवा दी जा रही हैं दिल्ली के जिन स्कूलों को आप पार्टी वाले विश्व स्तर के स्कूल कहते हैं उनमें आप पार्टी के जितने मंत्री, विधायक, निगम पार्षद, नेता तथा दिल्ली सरकार के अधिकारी हैं उनके बच्चे इन तथाकथित विश्व स्तरीय स्कूलों में क्यों नहीं पढ़ते, दिल्ली की शराब नीति में भ्रष्टाचार खुलकर हुआ जिससे दिल्ली को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ, पहले कहते थे एमसीडी हमारी नहीं है वरना हम दिल्ली को खूबसूरत बना देते अब दिल्ली की एमसीडी उनके पास है पर दिल्ली की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

दिल्ली की भूमि पर बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या मुसलमानों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है और आम आदमी पार्टी उनको बसा कर अपना वोट बैंक बढ़ा रही है 'यही वोट बैंक कभी कांग्रेस के साथ था जो की अब आप के साथ है 'यही काम पहले कांग्रेस पार्टी करती थी 'देखा जाये केंद्र की भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में इस पर कुछ नहीं किया और अब जाकर कार्यवाही करने लगे हैं पिछले 10 वर्षों से भाजपा की केंद्र सरकार सो रही है।

CAA कानून को तो भाजपा की केंद्र सरकार ले तो आई लेकिन पाकिस्तान/अफगानिस्तान से आये हिन्दू, सिख के लिए कोई रोजगार,पुनर्वास की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, न ही इस कानून में कोई नीति निर्धारित की गई है. दिल्ली पुलिस और NGT यमुना के किनारे बसे हुए उनकी झुग्गी को हटाने पहुंच जाते है, वहीं बगल में तिब्बती बसें हुए है उन्हें कोई कुछ नहीं कहता और साथ ही वही पर कुछ अवैध बांग्लादेशी भी रहते है लेकिन NGT और दिल्ली पुलिस उन्हें भी कुछ नहीं कहती, अभिनव भारत पार्टी अगर सत्ता में आती है तो इन सबके खिलाफ सख्त कानून बनाएगी ताकि देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी हो सके। इस अवसर पर अभिनव भारत पार्टी की उपाध्यक्ष चित्रा दलाल, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी ठाकुर सिंघल, महामंत्री ममता झा, सतपाल फोतरा सचिव नित्यानंद शामिल हुए।

क्या उद्धव-फडणवीस फिर होंगे साथ?

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने कहा कि उन्होंने सामना के संपादकीय में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की है क्योंकि राज्य सरकार ने गढ़चिरौली जिले में सक्रिय नक्सलियों को आत्मसमर्पण करवाकर सराहनीय काम किया है। राउत ने गढ़चिरौली के पूर्व संरक्षक मंत्री पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अपने एजेंटों को नियुक्त किया और धन इकट्ठा किया जिससे नक्सलवाद बढ़ा। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) इस बात की सराहना करती है कि मुख्यमंत्री ने संरक्षक मंत्री के रूप में गढ़चिरौली का कार्यभार संभाला है।

राउत ने कहा कि हमने देवेन्द्र फडणवीस की तारीफ की है क्योंकि सरकार ने अच्छा काम किया है। महाराष्ट्र हमारा राज्य है और गढ़चिरौली जैसी जगह जो नक्सलवाद से प्रभावित है - अगर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और संवैधानिक रास्ता चुना - तो हम उसका स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले के 'अभिभावक मंत्री' ऐसा कर सकते थे - लेकिन इसके बजाय, उन्होंने अपने एजेंटों को नियुक्त किया और धन इकट्ठा किया जिससे नक्सलवाद बढ़ गया। उन्होंने यह भी कहा कि हमने देवेंद्र फडणवीस के साथ काम किया है - वह संबंध चलता रहता है, लेकिन हम विपक्ष में हैं और हम इसे जारी रखेंगे।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने आगे कहा कि गढ़चिरौली का विकास पूरे महाराष्ट्र के लिए "अच्छा" होगा। राउत ने कहा कि उन्होंने अच्छा काम करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि मैंने नक्सलियों द्वारा हथियार डालकर भारतीय संविधान को स्वीकार करने के दृश्य देखे हैं, इसलिए यदि कोई ऐसा करता है तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। यदि गढ़चिरौली जैसा जिला विकसित होता है तो यह पूरे राज्य के लिए अच्छा है और यदि यह महाराष्ट्र का इस्पात शहर बन जाता है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं है। यदि देवेन्द्र फडणवीस ऐसी पहल कर रहे हैं तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। हमने पीएम मोदी की भी आलोचना की है, लेकिन जब वह कुछ अच्छा करते हैं तो हम उनकी सराहना करते हैं।

एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, उद्धव ठाकरे की पार्टी शिव सेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना ने 'बधाई हो देवा भाऊ' शीर्षक वाले अपने संपादकीय में गढ़चिरौली में एक प्रमुख नेता तारक्का सहित 11 नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की। संपादकीय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास के प्रति प्रतिबद्धता के लिए फड़नवीस की भी सराहना की गई।

नए साल पर मोदी का संकल्प जुमलों से कम नहीं

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए साल के संकल्प हर नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले 'जुमलों' से कम नहीं हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार ने अपने द्वारा पैदा की गई आर्थिक उथल-पुथल का कोई समाधान नहीं दिया है क्योंकि उन्होंने सात संकेतकों का हवाला दिया था। उन्होंने दावा किया कि गोल्ड लोन में 50% की वृद्धि और गोल्ड लोन एनपीए में 30% का उछाल है। उन्होंने दावा किया कि परिवारों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य पिछली 8 तिमाहियों में धीमा हो गया है और पूर्व-कोविड स्तर तक वापस नहीं आया है।

खड़गे के मुताबिक कार बिक्री वृद्धि 4 साल के निचले स्तर पर आ गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों (2019-2023) में इंजीनियरिंग, विनिर्माण, प्रक्रिया और बुनियादी ढांचे (ईएमपीआई) क्षेत्रों में मजदूरी केवल 0.8% की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछली आठ तिमाहियों में खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 7.1% रही है। आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कराधान से घरेलू बचत घट रही है जो 50 साल के निचले स्तर पर है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि घरेलू वित्तीय देनदारियाँ अब सकल घरेलू उत्पाद का 6.4% हैं - जो दशकों में सबसे अधिक है। रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे विदेशी फंड बाहर चला गया और छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मोदी पर तंज कसते हुए खड़गे ने कहा कि आपके वार्षिक 'नए साल के संकल्प' प्रत्येक नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले जुमलों से कम नहीं हैं! कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी कहा कि आरबीआई के मुताबिक भारतीय परिवारों की आय लगातार घट रही है और कर्ज लेने वालों की संख्या बढ़ रही है।

एमईआरआई कॉलेज द्वारा शिक्षा और स्टार्ट-अप हब पर आधारित प्रेस कॉन्फ्रेंस

॥ मनोज शर्मा ॥

एमईआरआई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, जनकपुरी ने प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों ने एमईआरआई सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (सीआईएस), एमईआरआई स्टार्ट-अप हब और ग्रुप द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया।

एमईआरआई ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट प्रो. ललित अग्रवाल ने कहाः एमईआरआई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स पिछले तीन दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान में आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली और एमडीयू, रोहतक के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।"

उन्होंने बताया कि एमईआरआई सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज का उद्देश्य विश्व के विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक और वैचारिक जुड़ाव स्थापित करना है। इसके माध्यम से आधुनिक शिक्षा और सांस्कृतिक धरोहरों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रो. अग्रवाल ने एमईआरआई स्टार्ट-अप हब के बारे में बताया कि यह केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहाः

"हम छात्रों को रिसर्च और इनोवेशन से जोड़ रहे हैं ताकि वे वैश्विक स्तर पर काम करने और नई सोच विकसित करने में सक्षम बन सकें।"

एमईआरआई सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज के प्रमुख प्रो. डॉ. रमाकांत द्विवेदी ने बताया कि इस तरह के अध्ययन केंद्र अब तक केवल सरकारी संस्थानों में संचालित होते थे। उन्होंने कहाः "आज के भू-राजनीतिक संदर्भ में यह केंद्र छात्रों को विभिन्न देशों की वर्तमान परिस्थितियों और वैश्विक मुद्दों की समझ प्रदान करेगा।"

स्टार्ट-अप हब के प्रमुख लव अग्रवाल ने बताया कि यह हब युवाओं को नई सोच विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर काम करने की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहाः "युवाओं को इस काबिल बनाना जरूरी है कि वे न केवल खुद के लिए बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार सृजित कर सकें।"

एमईआरआई कॉलेज की डीन प्रो. डॉ. दीपशिखा कालरा ने बताया कि संस्थान में छात्रों को प्रैक्टिकल शिक्षा दी जाती है। उन्होंने कहाः "यहां रिसर्च, केस स्टडीज और इंडस्ट्रियल विजिट के जरिए वैश्विक स्तर पर आए बदलावों के मद्देनजर छात्रों को तैयार किया जाता है, ताकि वे रोजगार के लिए सक्षम बन सकें।"

बीए जेएमसी कोर्स के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. एस. के. पांडेय ने बताया कि मीडिया के छात्रों को वन सब्जेक्ट, वन स्किल के तहत तैयार किया जाता है, जिससे वे मीडिया हाउस में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कॉन्फ्रेंस के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों के सवालों का उत्तर एमईआरआई के पदाधिकारियों ने दिया।

इस अवसर पर एमईआरआई कॉलेज के सलाहकार प्रो. डॉ. राकेश खुराना, एचआर हेड डॉ. तपस डे और अन्य अध्यापक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सदानंद पांडेय द्वारा किया गया।

पंडित सुरेश नीरव को मिला हिंदी अकादमी का हिंदी सेवी सम्मान

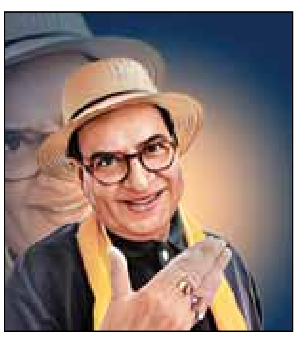

नई दिल्ली हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय ख्यात कवि एवं पत्रकार पंडित सुरेश नीरव को उनकी सतत हिंदी सेवा को रेखांकित करते हुए हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार ने एक लाख रुपये वाले अपने प्रतिष्ठित "हिंदी अकादमी हिंदी सेवी सम्मान" देने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि देश की अगृणी साहित्यिक संस्था अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के संस्थापक अध्यक्ष तथा वैश्विक पत्रिका प्रज्ञान विश्वम पत्रिका के प्रधान संपादक पंडित सुरेश नीरव ऐसे प्रथम भारतीय हैं जिन्हें जर्मनी के अति प्रतिष्ठित सम्मान "मैक्समूलर एवार्ड" से तथा सुलभ साहित्य अकादमी के पांच लाख सम्मान राशिवाले प्रतिष्ठित "श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान" से पहले भी सम्मानित किया जा चुका है। दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में आयोजित नवम विश्व हिंदी सम्मेलन में भी आप भारत सरकार के प्रतिनिधि कवि के रूप में भी सम्मिलित हो चुके हैं। पंडित सुरेश नीरव की अबतक छब्बीस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है तथा एक लंबे समय तक आप हिंदुस्तान टाइम्स की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका कादम्बिनी के संपादन मंडल से भी संबद्ध रहे हैं।

अमेरिकी अदालत ने अडानी के खिलाफ तीन मुकदमों की एक साथ सुनवाई करने दिया आदेश

न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ चल रहे तीन अलग-अलग मामलों की सुनवाई को एक साथ करने का आदेश दिया है। इन मामलों में 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 2,029 करोड़ रुपये) की रिश्वतखोरी और निवेशकों के साथ कथित धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं।

अदालत ने न्यायिक दक्षता और परस्पर विरोधी अनुसूचियों से बचने के लिए यह फैसला लिया है। इन मामलों में यूएस बनाम अडानी व अन्य (आपराधिक मामला), एसईसी बनाम अडानी व अन्य (दीवानी मामला), और एसईसी बनाम कैबनेस (अन्य आरोपियों के खिलाफ दीवानी मामला) शामिल हैं। अब सभी मामलों की सुनवाई जिला न्यायाधीश निकोलस जी गरौफिस करेंगे, जो पहले से ही अडानी के खिलाफ आपराधिक मामले की सुनवाई कर रहे हैं। अदालत ने कर्मचारियों को मामलों का पुनः आवंटन करने के निर्देश दिए हैं।

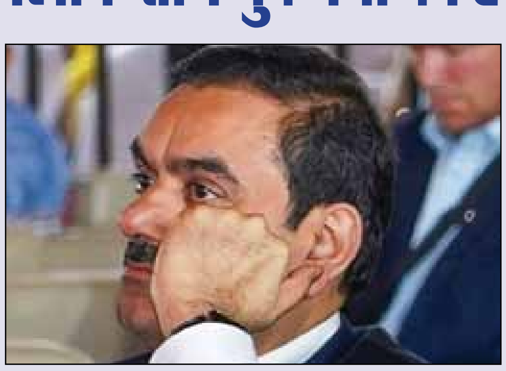

इन मामलों की संयुक्त सुनवाई से अडानी समूह के लिए कानूनी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इस प्रक्रिया में अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) और अभियोजन पक्ष के तर्कों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अडानी समूह और अन्य पर आरोप है कि उन्होंने राज्य बिजली वितरण कंपनियों के साथ सौर ऊर्जा परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने के लिए 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत दी। अभियोजन पक्ष का कहना है कि यह जानकारी उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाई गई, जिनसे अडानी समूह ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए धन जुटाया था।

अडानी समूह ने तमाम आरोपों को सिरे से खारिज किया है। समूह के प्रवक्ता का कहना था, कि हमारा संगठन कानून का पालन करने वाला संगठन हैं और हम सभी कानूनी प्रावधानों का पूरी तरह से पालन करते हैं। ये आरोप निराधार हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि, अभियोग आरोपों पर आधारित होते हैं, और दोषी साबित होने तक प्रत्येक प्रतिवादी को निर्दोष ही माना जाना चाहिए।

यह आदेश न केवल अडानी समूह की अंतरराष्ट्रीय छवि पर असर डालने वाला साबित हो सकता है, बल्कि इस मामले के कारण वैश्विक निवेशकों की निगाहें भी चौकन्नी रहने वाली हैं।

बीजेपी के 29 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। बीजेपी ने 29 उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

बीजेपी ने कालकाजी विधानसभा सीट से दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है, जबकि नई दिल्ली विधानसभा सीट से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को टिकट दिया है। नई दिल्ली सीट से ही कांग्रेस ने पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को अपना उम्मीदवार बनाया है।

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कैलाश गहलोत को बिजवासन विधानसभा सीट से टिकट दिया है।

बीजेपी की लिस्ट में आदर्श नगर विधानसभा से राजकुमार भाटिया, बादली से दीपक चौधरी, रिठाला से कुलवंत राणा, नागलोई जाट से मनोज शौकीन, मंगोलपुरी (एससी) से राजकुमार चौहान, रोहिणी से विजेंद्र गुप्ता, शालीमार बाग से रेखा गुप्ता, मॉडल टाउन से अशोक गोयल, करोल बाग (एससी) से दुष्यंत कुमार गौतम, पटेल नगर (एससी) से राजेंद्र कुमार आनंद और राजौरी गार्डन से सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा के नाम हैं।

इसके अलावा जनकपुरी विधानसभा सीट से आशीष सूद, बिजवासन से कैलाश गहलोत, नई दिल्ली से प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, जंगपुरा से सरदार तरविंदर सिंह मारवाह, मालवीय नगर से सतीश उपाध्याय, आरके पुरम से अनिल शर्मा, महरौली से गजेंद्र यादव, छतरपुर से करतार सिंह तंवर, अंबेडकर नगर (एससी) से खुशीराम चुनार, कालकाजी से रमेश बिधूड़ी, बदरपुर से नारायण दत्त शर्मा, पटपड़गंज से रविंद्र सिंह नेगी, विश्वास नगर से ओम प्रकाश शर्मा, कृष्णा नगर से अनिल गोयल, गांधीनगर से सरदार अरविंद सिंह लवली, सीमापुरी (एससी) से कुमारी रिंकू, रोहतास नगर से जितेंदर महाजन और गोहाना से अजय महावर को उम्मीदवार बनाया गया है।

बता दें कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवारों की लिस्ट पहले ही जारी कर दी है।

दिल्ली की समस्याओं का समाधान स्थाई सरकार ही कर सकती है-अस्थाई मुख्यमंत्री नहीं

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट का मुकाबला त्रिकोणीय है। एक ओर सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री आतिशी को यहां से प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी ने अलका लांबा को इस विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया है। इन तीनो हाई प्रोफाइल नेताओं की वजह से कालकाजी में मुकाबला पेचीदा हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने बातचीत करते हुए चुनाव में अपना पलड़ा भारी बताया। साथ ही उन्होंने 'आप' प्रत्याशी आतिशी को अस्थाई मुख्यमंत्री बताते हुए भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि मेरा 30 साल का संघर्ष, मेरी ईमानदारी और काम, दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जनता के लिए किया गया कार्य लोगों के दिलों में जगह बनाएगा। अब मेरा लक्ष्य कालकाजी की जनता का विश्वास जीतना है, और उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान देना है।"

उन्होंने कहा, "जो समस्याएं हैं, उनका हल अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी होना चाहिए। दिल्ली में प्रदूषण, यमुना का दूषित पानी, बढ़ते अपराध, महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं हैं, जिनका समाधान केवल एक स्थायी सरकार ही कर सकती है। कोई अस्थाई मुख्यमंत्री इसका समाधान नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री की ओर से जो भी दावा किया जाता है, वह कालकाजी और बाकी विधानसभा क्षेत्रों के लिए असंगत है। एक आदर्श विधानसभा का मॉडल कालकाजी को बनना चाहिए था, लेकिन यहां की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। सड़कें खुदी पड़ी हैं, पार्किंग की समस्या, जाम की समस्या और गंदगी की स्थिति अब भी जस की तस है। इसका दोष भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों पर है। दोनों ने सत्ता संभालने के बाद कालकाजी की जनता के साथ धोखा किया और उन्हें निराश किया।"

आगे उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी पर निशाना साधते हुए कहा, "भाजपा के 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद यहां के लोग दुखी हैं। अब ऐसे नेता कालकाजी में हैं, जिनका व्यवहार और भाषा संसद में और सड़क पर पूरी तरह अस्वीकार्य है। उनका घटिया व्यवहार और बोलचाल उन्हें जनप्रतिनिधि बनाने लायक नहीं है। यह समय है कि कालकाजी की जनता को एक ऐसा प्रतिनिधि मिले, जो उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान दे।"

कांग्रेस पार्टी देश भर में चलाएगी 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डॉक्टर आंबेडकर पर सदन में दिए बयान के खिलाफ कांग्रेस पार्टी देश भर में 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान चलाएगी।

नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने बताया कि इस अभियान के तहत हर जिले में चौपाल लगाई जाएगी। उन्होंने इस देशव्यापी अभियान का पैम्फलेट भी जारी किया।

पवन खेड़ा ने कहा कि संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब आंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यह उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री का साथ दिया और आंबेडकर के अपमान में साझेदार बने। बीते माह कर्नाटक के बेलगावी में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में यह मुद्दा उठा था और तय किया गया था कि पूरे देश में 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान की शुरूआत की जाएगी।

खेड़ा ने कहा इस अभियान के तहत आयोजित चौपालों में बताया जाएगा कि भाजपा-आरएसएस दशकों से आंबेडकर का अपमान और संविधान को नीचा दिखाने का काम करते आए हैं। इसका खामियाजा नागरिकों को झेलना पड़ रहा है। देश के 90 प्रतिशत लोगों के अधिकारों का हनन हो रहा है। लेटरल एंट्री और निजीकरण के माध्यम से आरक्षित वर्ग को चोट पहुंचाई जा रही है।

फोटो : पुलकित चतुर्वेदी

उन्होंने कहा कि दस लाख से अधिक रिक्त पद हैं, वह भी आरक्षित वर्ग पर सीधा-सीधा हमला है। ऐसे अनेक हमले भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। इन चौपालों में इस पैम्फलेट का वितरण होगा और तथ्यात्मक तरीके से ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ देशवासियों को यह बताया जाएगा कि कैसे भाजपा-आरएसएस 90 प्रतिशत आबादी के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं। खेड़ा ने बताया कि 26 जनवरी को बाबासाहेब आंबेडकर की जन्मस्थली मध्य प्रदेश के महू में विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा।

खेड़ा ने दोहराया कि गृह मंत्री शाह ने संसद में जो कहा, वह आरएसएस और उसकी राजनीतिक शाखा भाजपा की गहरी मानसिकता में है। आरएसएस ने 30 नवंबर, 1949 को अपने मुखपत्र ऑर्गनाइजर में संविधान को अभारतीय बताया था। जब आंबेडकर महिलाओं के समान अधिकार की बात करते थे, तो रामलीला मैदान में आरएसएस ने उनका पुतला जलाया था। आज न सिर्फ बाबा साहेब आंबेडकर बल्कि गांधी की विरासत पर भी हमला बोला जा रहा है।

खेड़ा ने आगे कहा भाजपा संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विरोधी है। पिछले दस सालों में भाजपा सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। भाजपा देश में दलितों और आदिवासियों के साथ न केवल सरेआम अन्याय करती है, बल्कि उनके कानूनों को भी कमजोर करती है। भाजपा को भरोसा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 पार सीट लाकर संविधान बदल देगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

अगर ऐसा होता तो वह न सिर्फ संविधान बदलती, बल्कि नोटों से महात्मा गांधी का चित्र भी गायब हो जाता। जिन महात्मा गांधी जी को पूरी दुनिया आदर्श मानती है, उन्हें उनके देश का सत्तारूढ़ दल ही धीरे-धीरे हटाने की साजिश रच रहा है। बाबा साहेब आंबेडकर और महात्मा गांधी की राह पर चलने वाली कांग्रेस पार्टी उनके अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़कर उनकी विरासत से न केवल नई पीढ़ी को स्मरण कराएं, बल्कि उसे संजोने के लिए अहिंसक तरीके से लड़ें। देश संविधान के आधार पर ही चलेगा। भाजपा मुंह में संविधान और बगल में मनुस्मृति लेकर नहीं घूम सकती है।

वार्षिकोत्सव में झूम के थिरके नन्हे बच्चे

वर्द्धमान प्ले स्कूल के वार्षिकोत्सव में नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से अभिभावकों सहित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का भी मन मोह लिया। बडी पंचायती धर्मशाला,(बेरी वाली धर्मशाला), कूंचा पातीराम, सीताराम बाजार, चावड़ी बाजार, दिल्ली में गणपति वंदना, मां सरस्वती स्तुति के साथ साथ बच्चों ने आपसी भाईचारे, महात्मा गांधी के तीन बंदरों के संदेशो के अलावा भारतीय शास्त्रीय संगीत की जबरदस्त मिसाल कायम की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार विजय शर्मा ने कहा,कि छोटे बच्चों के जीवन की प्रेरणा का संचार माता पिता के बाद गुरु द्वारा निर्धारित किया जाता है,जो इन मासूम बच्चों में प्रिंसिपल मीनाक्षी नितेश भार्गव अपने स्टाफ के साथ मिलकर दे रहे हैं। कार्यक्रम में श्रीमती सीमा शर्मा (को-फाउंडर, लक्ष्मीबाई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट), पंडित सौरभ मिश्रा (सदस्य,राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ),पवन दीक्षित(प्रबुद्ध समाजसेवी)ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्र गान के साथ साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल - NIIMS ने स्पाइन, इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट प्रशिक्षण के लिए मिलाया हाथ

नोएडा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कौशांबी के साथ मिलकर 19वें स्पाइन और इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट वर्कशॉप का सफल आयोजन किया। इस वर्कशॉप का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त दर्द विशेषज्ञ डॉ. नीरज जैन (MD, FIMSA, FIPP, CIPP) और NIIMS के चेयरमैन डॉ. देवेश कुमार सिंह ने किया।

इस आयोजन में दक्षिण-पूर्व एशिया से आए 15 प्रतिभागियों ने

हिस्सा लिया और आधुनिक दर्द प्रबंधन तकनीकों की जानकारी और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। वर्कशॉप में डॉ. शांतनु मलिक (मुंबई), डॉ. सुनील शर्मा (यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कौशांबी), और डॉ. देवेश कुमार सिंह (NIIMS) का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम में कई गतिविधियां शामिल थीं।

कैडावर हैंड्स-ऑन मॉड्यूल 80 से अधिक मिनिमली इनवेसिव एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं का लाइव प्रदर्शन

डॉ. देवेश कुमार सिंह ने कहा, "हम यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के साथ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभारी हैं। डॉक्टरों ने अपने अनुभवों को साझा करके प्रतिभागियों की मदद की। NIIMS भविष्य में भी यशोदा अस्पताल के साथ मिलकर इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने की आशा करता है।"

डॉ. नीरज जैन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "ज्ञान और कौशल को साझा करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह वर्कशॉप एक बड़ी सफलता है और चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग की भावना को दर्शाती है। हम भविष्य में और सत्र आयोजित करने के लिए तत्पर हैं।" यह साझेदारी NIIMS और यशोदा अस्पताल के बीच स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की उनकी साझा दृष्टि को दर्शाती है।

एनडीएमसी के 4000 छात्रों के लिए कला महोत्सव

प्रधानमंत्री द्वारा लिखित पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' की थीम पर आर्टथॉन - एक कला कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) नेशांति पथ लॉन, चाणक्यपुरी, एनडीएमसी स्कूलों के 4000 छात्रों के लिए परीक्षा के तनाव से निपटने में मदद करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा लिखित पुस्तक एग्जाम वारियर्स में उल्लिखित विभिन्न मंत्रों की थीम पर एक कला महोत्सव - आर्टथॉन का आयोजन किया ।

आर्टथॉन कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। इस अवसर पर सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी अध्यक्ष केशव चंद्रा, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, परिषद सदस्य श्रीमती सरिता तोमर और दिनेश प्रताप सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी, स्कूल अध्यापकगण उपस्थित थे।

अश्विनी वैष्णव ने कला कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि जीवन के प्रत्येक कार्य या परीक्षा को जुनून के रूप में लिया जाए तो सफलता के मार्ग में कोई चिंता, तनाव या दबाव उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि जीवन की प्रत्येक परीक्षा को जुनून के साथ लिया जाना चाहिए। इससे पूर्व उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद भी किया तथा उनसे उनकी चित्रकला की थीम से संबंधित प्रश्न भी पूछे।

नई दिल्ली की सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिनचर्या में कला प्रत्येक व्यक्ति के तनाव को दूर करने का एक बेहतर माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि उन्हें सफलता प्राप्त करने के लिए परीक्षा को जीवन की एक आनंदमयी घटना के रूप में उत्साह के साथ लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कला प्रकृति के रूप में हमारे आस-पास फैली हुई है तथा यदि हम निरंतर प्रकृति के संपर्क में रहें तो हम उससे प्रेरणा ले सकते हैं।

इस अवसर पर एनडीएमसी के चेयरमैन केशव चंद्रा ने विद्यार्थियों के लिए इस अनूठे कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की, क्योंकि इससे विद्यार्थी एक परीक्षा योद्धा के रूप में तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि यह कला कार्यक्रम प्रधानमंत्री का संदेश सभी विद्यार्थियों तक पहुंचाता है और इससे उन्हें परीक्षा के तनाव से भी मुक्ति मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी के साथ इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन पर जोर दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को बेहतर समन्वय और पूरे उत्साह के साथ आयोजित करने के लिए एनडीएमसी टीम को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने विद्यार्थियों के लिए आर्टथॉन के आयोजन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिखित पुस्तक में वर्णित सभी मंत्र परीक्षा में ध्यान केंद्रित करके सफलता प्राप्त करने की पुस्तिका है। उन्होंने विद्यार्थियों को बिना किसी तनाव या चिंता के अपनी परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया और सभी को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। एनडीएमसी के सदस्य दिनेश प्रताप सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा छात्रों के लिए इस तरह के आयोजन के लिए एनडीएमसी टीम की सराहना की, क्योंकि इससे उन्हें परीक्षा में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में प्रख्यात कलाकारों ने भी भाग लिया तथा उन्होंने पेंटिंग बनाई तथा छात्रों को रचनात्मकता तथा उनकी कल्पनाशीलता के लिए प्रेरित किया।

जतिन दास, (पद्म भूषण), जय प्रकाश, (पद्म श्री), कंचन चंद्र, हर्षवर्धन, कल्याण जोशी, प्रदोष स्वैन, डॉ. विजय एम धोरे, सुश्री रीना सिंह, अनस सुल्तान, मनोज कुमार मोहंती, नरेंद्र पाल सिंह, कन्नू बेहरा, असित कुमार पटनायक तथा अंकित शर्मा प्रख्यात कलाकार थे, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर छात्रों ने प्रधानमंत्री मोदी के मिशन लाइफ पर्यावरण के लिए जीवन शैली पर जोर देते हुए एक पेड़ मां के नाम लिखे पौधे लगाए। अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष ने छात्रों के बीच क्यूआर कोड वाले पौधे वितरित किए।

इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी छात्रों के लिए प्रदर्शित की गई। मोरारजी देसाई योग संस्थान के योग गुरुओं द्वारा तनाव प्रबंधन पर एक योग सत्र आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में 30 दिव्यांग छात्रों ने भी भाग लिया। छात्रों की रचनात्मकता और समर्पण का जश्न मनाने के लिए प्रख्यात कलाकारों द्वारा चुनी गई सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

मोहम्मद रफी की जन्म शताब्दी के अवसर पर सुर सम्राट मोहम्मद रफी अवॉर्ड का आयोजन

पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की जन्म शताब्दी के अवसर पर गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस नई दिल्ली में सुर सम्राट मोहम्मद रफी अवॉर्ड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस के फाउंडर शफीक उर रहमान ने बताया कि इस रंगारंग शाम म अतिथि के तौर पर संजीव भारद्वाज , हर्ष आनंद , डॉ. मुस्ताक अंसारी , राजेश डोगरा ,क्रिएटिव फिल्म डायरेक्टर व सीनियर जर्नलिस्ट डॉ सुनील पाराशर , एवं बॉलीवुड एंड दूरदर्शन आर्टिस्ट कीमती आनंद, बनवारी लाल झोल, सुरेन्द्र बावरा, सचिन कथूरिया, सुमंत अग्रवाल, प्रीत भट्टी के अलावा सेलिब्रिटी सिंगर जुनैद खान इत्यादि भी उपस्थित हुए। इस रंगारंग शाम का मंच संचालन रिहान नजमी ने किया ।

इस अवसर सुनील पाराशर ने कहा, सुर सम्राट मोहम्मद रफी को सारी दुनिया बेहतरीन गायक के रूप में जानती है किन्तु वो एक अच्छे गायक होने के साथ अच्छे इंसान भी थे और शफीक उर रहमान ने सुर सम्राट मोहम्मद रफी अवॉर्ड करके उनको एक सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

शफीक ने दिल्ली में बहुत से गायको को मंच दिया है और वह आगे भी इस तरह के आयोजन करते रहेंगे और नए गायको का अवसर देते रहेंगे ऐसी मई आशा करता हु सिंगर अजहर फिरदौसी, बहार आलम, साजिद अंसारी, यूनुस नसीब, अकरम खान, योगेश मलिक, सुभाष चंदेल, हेमंत जिदानी, अशोक लहरी, अशोक लुहेरा, आनंद गौतम, और इनका साथ दिया तबस्सुम अंसारी, मिष्टी शर्मा, नीता चंदेल आदि गायकों ने अपने अपने सुरीले नगमों से हॉल में बैठे दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस के फाउंडर शफीक उर रहमान ने बताया हमने इस मर्तबा सोशल वर्कर अभिलाषा शर्मा और मोहम्मद अहमद सेफी जो पुरानी दिल्ली के गाँधी के नाम से मशहूर है और दिल्ली पुलिस के राजेश डोगरा, रवि राठी, और बिजनेसमैन तिलक खेरा, राजेश किंद्रा (पॉपकॉर्न म्यूजिक), विनोद कुमार (होजरी टाइम्स) और बिजनेस वीमेन शालू राठी (ड्रीम स्टार इवेंट्स), श्वेता चुघ (अमाइरा कलेक्शन), शीन नवाबी (किंग्सवे मोटर विजन), और गेस्ट ऑफ ऑनर प्रभात कुमार मिश्रा, सीमा डोगरा, धर्मेंदर तोमर, और आए हुए अतिथियों और सेलिब्रिटी गेस्टो और गायकों को सुर सम्राट मोहम्मद रफी अवार्ड फि ल्म क्रिटिव डायरेक्टर और मीडिया पर्सनाल्टी सुनील पराशर और शफीक रहमान ने सबको मो . रफी अवार्ड देकर सम्मानित किया ।

राशिफल साप्ताहिक
05 से 11 जनवरी 2025

मेषः मेष राशि के जातकों को इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मनचाही सफलता और लाभ पाने के लिए अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर पूरा करने का प्रयास करना होगा। सप्ताह के मध्य में स्थितियां कुछ हद तक आपके अनुकूल हो सकती हैं।

वृषभः वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मन मुताबिक सफलता एवं लाभ न होने पर आपके मन में निराशा एवं हताशा बनी रही सकती है। सप्ताह की शुरूआत में आपके कार्यों में अचानक से कुछ बाधाएं आ सकती हैं। प्रेम संबंध की दृष्टि से यह सप्ताह मध्यम फलप्रद है।

मिथुनः मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी क्योंकि वे आपके बने-बनाए काम को बिगाड़ने के लिए साजिश रच सकते हैं।

कर्कः कर्क राशि के जातकों को सप्ताह अपनी सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए। सप्ताह की शुरूआत में आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी उभरने के चलते शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। सप्ताह के पूर्वार्ध में नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज का अत्यधिक दबाव बना रहेगा। जिसे पूरा करने के लिए उन्हें अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा।

सिंहः सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। इस सप्ताह आप अपने करियर और कारोबार में मिलने वाली सफलता एवं लाभ से संतुष्ट नजर आएंगे। खास बात ये कि आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

कन्याः कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के लिए कोई बड़ा अवसर मिल सकता है लेकिन आपको उसे हाथ से जाने देने से बचना होगा अन्यथा आपको उसके लिए हमेशा पछतावा करना पड़ेगा। सप्ताह का पूर्वार्ध आपके लिए अत्यंत ही शुभ साबित होगा।

तुलाः तुला राशि के जातक इस सप्ताह अपनी बुद्धि, विवेक और परिश्रम की बदौलत किसी कार्य विशेष में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय से पूरे होते हुए नजर आएंगे। आपको घर और बाहर दोनों जगह इष्टमित्रों और स्वजनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में आपका कामकाज थोड़ी धीमी गति से आगे बढ़ेगा। इस दौरान कार्यों में अचानक से आने वाली अड़चन के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज को लेकर उच्च अधिकारियों का अधिक दबाव बना रहेगा। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह मध्यम फलप्रद है।

धनुः धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह आपाधापी भरा रहने वाला है। सप्ताह आपके पास कार्य अधिक और उसे पूरा करने के लिए समय कम रहेगा। सप्ताह की शुरूआत में नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से कोई बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है। सप्ताह के उत्तरार्ध में आर्थिक मामलों में कुछेक बाधाओं एवं परेशानी महसूस हो सकती है।

मकरः मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपकी कोई बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति के योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की तारीफ होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों के साथ संपर्क बढ़ेंगे।

कुंभः कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए हुए है। इस सप्ताह आपको अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप पर सीनियर का पूरा आशीर्वाद और जूनियर का सहयोग बना रहेगा। टीमवर्क के जरिए आप बेहतर रिजल्ट देने में कामयाब हो जाएंगे। नौकरीपेशा इस सप्ताह अपनी प्रगति और आय से संतुष्ट रहेंगे।

मीनः मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपके द्वारा किसी कार्य के लिए किये गये विशेष प्रयास सफल होंगे। करियर एवं कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं सुखद एवं लाभप्रद साबित होंगी। सप्ताह की शुरूआत किसी शुभ सूचना से होगी।

राजस्थान के दर्शनीय स्थल

राजस्थान अपनी कला, संस्कृति, मेले, स्थापत्यकला, किले, महलों, झीलों से देश में स्वास पहचान रखता है। यहां आने वाले पर्यटक यहां से रोमांचित होकर जाते हैं और उनका मन बार-बार आने को करता है। जोधपुर, चित्तौड़गढ़, पुष्कर, नाथद्वारा, दिलवान के मदिर, एकलिंगजी का मंदिर, सरिका, रणथम्भौर, केवलादेव अभयारण्य, माउंट आबू विश्वप्रसिद्ध हवा महल सहित कई दर्शनीय स्थल यहां है।

स्वाति चतुर्वेदी

जग निवास द्वीप उदयपुर

जग निवास द्वीप पिछोला झील पर बना हुआ है। जग निवास दीप वास्तविक में एक होटल है। इस द्वीप के पास कमल के तलाब, कोर्टयार्ड, स्विमिंग पूल जो आम के पेड़ों की छांव में बना हुआ है, पर्यटकों के लिए यह अच्छा स्थान है।

सिटी पैलेस उदयपुर

सिटी पैलेस में जैसे ही प्रवेश करते हैं आपको एक भाव त्रिपोलिया गेट दिखाई पड़ता है जिसमें सात आर्क हैं। यह सातों आर्क स्मवरणोत्सैवों के प्रतीक हैं। यह उस समय की बात है जब राजा को तराजू पर एक तरफ बैठा कर राजा को सोने चांदी से तोला गया था और उनके बराबर में सोने चांदी गरीबों में बांट दिया गया था। सिटी पैलेस के सामने की दीवार होती है जिसे 'आगद' कहते हैं। पुराने समय में इस जगह पर हाथियों की लड़ाई का खेल हुआ करता था। इस सिटी पैलेस में एक जगदीश मंदिर भी है।

सहेलियों की बाड़ी उदयपुर

सहेलियों की बाड़ी, दासियों के सम्मान में बना एक सजा–धजा बाग है। इसमें कमल के तालाब, फव्वारे, संगमरमर के हाथी और कियोस्क बने हुए हैं। सुखाड़िया सर्किल का नजारा देखने लायक होता है।। झीलों की नगरी कहे जाने इस पर्यटक स्थल में कई शानदार झीलें हैं, जो सुकून भरा अहसास देती हैं।

लालगढ़ महल बीकानेर

लालगढ़ महल नगर के बाहर की चारों तरफ की देखने पर इसकी इमारत बहुत सुंदर लगता है यह महल लाल पत्थर से बना हुआ है, इस पत्थर पर खुदाई का बड़ा उत्कृष्ट काम किया गया। इस महल के भीतर में बहुत सारे संगमरमर हैं। इसमें 100 से अधिक भाव है कमरे बनी हुई है। इस महल के अहाते में बहुत सुंदर बगीचे बने हैं जिसमें कई रंग बिरंगे फूलों से भरी हुई हरियाली, सघन वृक्षों, कहीं लताओं से सजे हुए पेड़ और उनकी हरियाली की देखने लायक जगह है। महल के एक भाग में तरणताल भी है।

हवा महल जयपुर

विश्व प्रसिद्ध हवामहल जिसमें 5 मंजिली इमारत है। इस महान में गुलाबी रंग तिरंगा गया है जो अष्टभुजाकार और परिष्कृत छतेदार बलुए पत्थर की खिड़कियों से सुसज्जित है इस महल को बनाने का सबसे बड़ा उद्देश्य था कि शाही घराने की स्त्रियां जो अपने महल को छोड़कर बाहर नहीं निकल सकती थी उनको शहर का जूलूस और शहर का दैनिक जीवन देख सके।

क्या है नौजवानों में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों की वजह?

आजकल हार्ट के कुल मरीजों में 30 प्रतिशत मरीजों की उम्र 40 साल से कम है। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि आखिर वे कौन सी वजहें है, जिनकी वजह से नौजवानों को हार्ट अटैक या कार्डियेक अरेस्ट जैसे जानलेवा आघात झेलने पड़ रहे हैं। इन सभी सवालों का जवाब जानने के लिए पढ़िए आर्टेमिस हॉस्पिटल में डॉयरेक्टर कार्डियोलॉजी डॉ. मनजिंदर संधू से खास बातचीत के प्रमुख अंश..

कोविड महामारी की दस्तक के बाद कार्डियेक अरेस्ट के मामलों में अचानक तेजी से इजाफा हुआ है। बीते कुछ समय में इस बीमारी ने खासतौर पर नौजवानों को अपना शिकार बनाया है। हालात यहां तक पहुंच गए कि वर्तमान समय में दिल की बीमारी से जूझ रहे मरीजों में 30 फीसदी मरीज ऐसे है, जिनकी उम्र 40 साल से कम है।

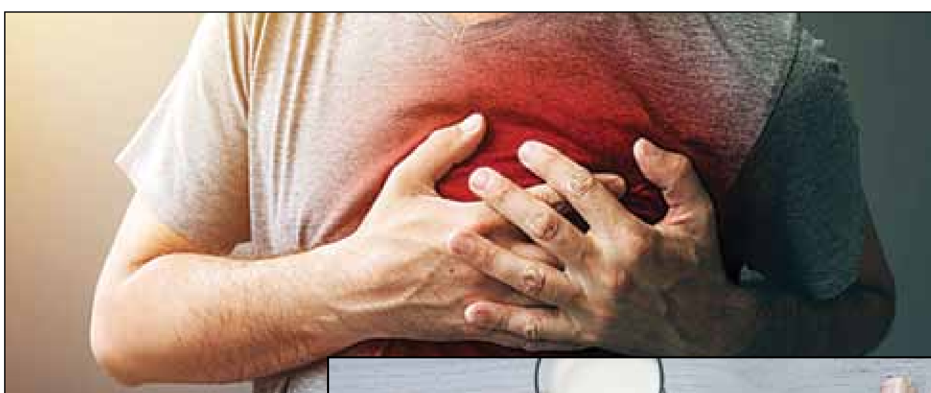

हार्ट स्ट्रोक के मामले बढ़ते मामलों की यह है वजह

डॉ. मनजिंदर संधू के अनुसार, दुनिया में सर्वाधिक हार्ट डिसीज प्रोन पेशेंट हमारे देश में पाए जाते हैं। हमारे जेनेटिक्स और बैड कोलेस्ट्रॉल जेनेटिक्स और बैड कोलेस्ट्रॉल इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। हाई स्ट्रेस लेबल, डाइबिटीज, गांव से शहरों की ओर लोगों का तेजी से पलायन और बदलती जीवन शैली भी दिल की बीमारी को गंभीर करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा, विदेशी कंपनियों में काम करने वाले नौजवानों का बॉडी क्लाक सिस्टम पूरी तरह से बदल गया है। रैपिड अर्बनाइजेशन सहित इन तमाम कारणों की वजह से हमारे देश में हार्ट डिसीज और भी बढ़ गई है।

युवाओं के दिलों पर बुजुर्गों की बीमारी की दस्तक

डॉ. मनजिंदर संधू के अनुसार, 10 से 15 साल पहले हम दिल की बीमारी ज्यादातर बुजुर्ग या 45 की उम्र पार कर चुके लोगों में देखते थे। लेकिन, अब हालात यह है कि हार्ट अटैक के 25 से 30 फीसदी मरीज ऐसे हैं, जिनकी उम्र या तो 40 से 45 के बीच है या फिर 40 से कम है। दरअसल, काम के चलते नौजवानों में होने वाले स्ट्रेस ने उनके हमारे हार्ट कार्डियो वैस्कुलर सिस्टम का बुरी तरह से प्रभावित किया है। इसके अलावा, रेस्ट्रां का खाना, फास्टफूड, सिगरेट और शराब की आदत नौजवानों की लाइफ स्टाइल को पूरी तरह से अनहेल्दी कर दिया है। नौजवानों के पास फिजिकल एक्सरसाइज का वक्त नहीं है। यही सब वजहों के चलते युवाओं में हार्ट अटैक या कार्डियेक अरेस्ट के केस तेजी से बढ़ रहे हैं।

जिम या स्पोर्ट्स के दौरान अचानक कार्डियेक अरेस्ट

डॉ. मनजिंदर संधू के अनुसार, जिन युवाओं को अपनी अनहेल्दी लाइफ स्टाइल का अहसास हो गया है, उनके अंदर खुद को हेल्दी करने की उत्सुकता है। इसी उत्सुकता में वे कुछ गलतियां कर बैठते है। दरअसल, यंगस्टर्स वेट लूज करने के मकसद से जिम करना शुरू कर देते हैं और चाहते हैं कि उनको रिजल्ट एक या दो हफ्ते में मिल जाए। इसी वजह से वह बिना प्रशिक्षण के बहुत अधिक जिंमिंग करने लगते हैं। इसी अकस्टम्ड एक्सरसाइज की वजह से उनके हार्ट की नसों में मौजूद छोटे-छोटे ब्लॉकेज रेप्चर कर जाते हैं। नतीजा, हार्ट अटैक या कार्डियेक अरेस्ट के रूप में आता है, जिसमें जान जाने का खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है।

हार्ट अटैक से बचने के लिए कैसा हो खानपान

डॉ. मनजिंदर संधू के अनुसार, हमें अपनी डाइट के अंदर फ्रेश फ्रूट और वेजिटेबल्स का कंपोनेंट बढ़ाना चाहिए। हमारे कल्चर में काब्रोहाइड्रेड बेस्ड फूड ज्यादा है, जिसमें चपाती, पराठा, आटा, मैदा आदि आते है। हमें काबोर्हाइड्रेड बेस्ड डाइट कम करना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि हम काबोर्हाइड्रेड को अपनी डाइट से निकाल दें, जैसे कई लोग डाइटिंग के दौरान अपने खाने की काबोर्हाड्रेड वैल्यू जीरो कर देते हैं। हमारे खाने में हेल्दियर स्टफ जैसे कि फाइबर-फ्रूट्स और सब्जियों की मात्रा अधिक होनी चाहिए। नॉनवेज खाने वाले लोग नॉनवेज खाए, लेकिन हार्ट डिसीज से बचने के लिए रेड मीट से परहेज करें।

हेल्थ चेकअप में सबकुछ ठीक होने के बाद भी हार्ट अटैक

डॉ. मनजिंदर संधू के अनुसार, ये लोग समझते नहीं हैं। दरअसल, हेल्थ चेकअप का यह मतलब नहीं कि आपको कुछ नहीं होगा। ये तो मेडिकल साइंस की जितनी नॉलेज है, उसके मुताबिक हम टेस्ट करते हैं, मोटे तौर पर चीजें देखने के लिए। इन टेस्ट की मदद से कई बार अनडिटेक्टेड सुगर, कोलेस्ट्रॉल, फास्ट्रेट, थाइराइड या कैंसर जैसी बीमारियां समय पर पता चल जाती है। जिसका समय से इलाज शुरू हो जाता है।

जहां तक हार्ट अटैक का मामला है, इसको प्रिडिक्ट करना, बड़ा मुश्किल है। दरअसल, रूटीन हेल्थ चेकअप के दौरान 20-30 प्रतिशत वाले ब्लॉकेज को पकड़ना संभव नहीं है। 70 फीसदी केसेस में इन्हीं ब्लॉकेज के रेप्चर होने की वजह से हार्ट अटैक होते है।

क्या आप सिंगल हैं?

जानिए खुद के लिए सबसे अच्छी सेल्फ डेटिंग टिप्स

यदि आप सिंगल हैं और अपने जीवन में क्या गलत है, इस पर विलाप कर रही हैं, विशेष रूप से वेलेंटाइन डे के मौके पर, तो रुकें! आपकी जिंदगी में अभी बहुत कुछ बाकी है।

'सेल्फ-लव कितना महत्वपूर्ण है?' आपको आश्चर्य हो सकता है। सेल्फ-लव हममें से कई लोगों को आवश्यकता के बजाय एक विशेषाधिकार के रूप में लग सकता है। विडंबना यह है कि हममें से जो अत्यधिक काम करते हैं और लगातार परफेक्शन प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें सबसे अधिक आत्म-देखभाल और करुणा की आवश्यकता होती है। सेल्फ-लव एक सकारात्मक मानसिकता का मार्ग भी प्रशस्त करता है, जो जीवन में सफलता और मानसिक कल्याण के लिए एक आवश्यक है।

खुद से प्यार करना सीखना भी तनाव को कम करता है, विलंब को कम करता है, और आपको काम पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। सिंगल और कपल्स समान रूप से वेलेंटाइन डे के आसपास कई तरह की भावनाओं का अनुभव करते हैं, चाहे वह एक सिकुड़े हुए बटुए का डर हो, जो एक तारीख की उम्मीदों तक जीवित रहने के प्रयास में हो, टूटे हुए रोमांस पर पछतावा हो, या अकेले दिन बिताने की चिंता हो।

खुद को बेहतर जानें

खुद के साथ डेट पर जाएं। उन जगहों पर जाएं जिनकी आप सराहना करते हैं और उन गतिविधियों को करें जिन्हें आप पसंद करती हैं। अपने आप को खोजें, और इस समय का उपयोग खुद को बेहतर तरीके से जानने के लिए करें। उस शानदार गाउन के लिए अपनी अलमारी के माध्यम से खोजें जिसे आप किसी विशेष अवसर के लिए सहेज रही हैं और इसे पहनें। हमेशा याद रखें कि आप अपने शो के खुद के स्टार हैं। सेल्फ-डेटिंग में किताबों की दुकान पर कुछ घंटे बिताना या बाहरी दुनिया के ध्यान भटकाने से दूर खाना पकाने की कक्षाओं के लिए साइन अप करना शामिल हो सकता है। इसमें स्वयं के लिए बिना शर्त प्यार करना शामिल है। ध्यान रखें कि अधिक सेल्फ-लव का मार्ग स्वयं प्रेम है।

आत्म-स्वीकृति

'महत्वाकांक्षा की कमी' एक अस्तित्वहीन अवधारणा है। यह वास्तव में आत्म-जागरूकता की कमी है। सिंगल होना एक तोहफा है और इस बार आप अपना पूरा ध्यान खुद का एक मजबूत और बहादुर वर्जन बनने के लिए समर्पित कर सकते हैं। यह आत्म-जागरूकता और आपके आध्यात्मिक आत्मविश्वास पर काम करने से आपको अपने जीवन के कई पहलुओं में मदद मिलेगी, न कि केवल रोमांटिक लोगों को। अपनी आंतरिक इच्छाओं के साथ फिर से जुड़ें, जानें और फिर से खुद को अपनाएं, और उन चीजों पर ऊर्जा खर्च करें जो आपको खुश रखती हैं। वेलेंटाइन डे को जल्द ही सेल्फ -लव डे के रूप में जाना जाएगा, जिसे 'जिस दिन आप वास्तव में खुद को प्राथमिकता देने का वादा करती हैं।'

ध्यान या हस्तमैथुन करना

आपके शरीर की खोज, सेल्फ - लव सीखने और अनुभव करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने आनंद पर नियंत्रण का दावा करके और आप अपने शरीर से क्या हासिल करना चाहते हैं, आप उस पर अपना अधिकार स्थापित कर रही हैं। हम अपने शरीर, हमारी कामुकता की जांच करके शरीर की सकारात्मकता की पुष्टि करते हैं, और यह हमें सेल्फ लव, सौंदर्य, और सबसे महत्वपूर्ण आंतरिक आध्यात्मिक आत्मविश्वास सहित समग्र स्वास्थ्य के बारे में समझने की अनुमति देता है। हस्तमैथुन करना ठीक है, ध्यान करना ठीक है, किसी भी तरह से हो, लक्ष्य खुद को खोजना है।

भले ही आप सिंगल हों, याद रखें कि आपके पास अब तक का सबसे अच्छा रिश्ता खुद के साथ होगा। सिंगल होने में शक्ति होती है इसलिए अपनी जरूरतों को समझने, स्वीकार करने और सम्मान करने के लिए समय निकालें। अपने स्वास्थ्य में निवेश करें चाहे वह मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक या यौन हो और देखें कि आपकी प्रतिभा कैसे बढ़ती है।

मनु भाकर-गुकेश सहित 4 खिलाड़ियों को 'खेल रत्न' 32 खिलाड़ी बनेंगे 'अर्जुन'

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

पेरिस ओलम्पिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास बनाने वाली युवा निशानेबाज मनु भाकर और सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार 'खेल रत्न' से सम्मानित किया जाएगा जबकि 32 खिलाड़ियों को 'अर्जुन' पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी, 2025 को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में विजेताओं को सम्मानित करेंगी।

मनु और गुकेश के अलावा ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को खेल रत्न प्रदान किया जाएगा।

मनु ने न सिर्फ ओलंपिक 2024 के व्यक्तिगत मुकाबले में भारत का परचम लहराया बल्कि 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में मिली इस दोहरी कामयाबी ने उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया।

शतरंज की सनसनी डी गुकेश को भी खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। गुकेश ने पिछले महीने 12 दिसंबर को शतरंज की दुनिया का युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता था वो महज 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बने, जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

खेल मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि समिति की सिफारिशों और सरकार की जांच के आधार पर खिलाड़ियों, कोच, विश्वविद्यालयों को पुरस्कार देने का फैसला किया गया है।

मनु-हरमनप्रीत ने ओलंपिक, गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप में किया प्रभावित

22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

32 खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

खेल रत्न के अलावा 32 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इनके साथ एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलेगा, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलासो को लाइफटाइम वर्ग में शामिल किया गया है। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा। वहीं, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को ओवरऑल यूनिवर्सिटी विजेता के तौर पर मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी मिलेगी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फर्स्ट रनरअप और अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी सेकेंड रनरअप रही।

अर्जुन पुरस्कार

ज्योति याराजी - एथलेटिक्स
अन्नु रानी - एथलेटिक्स
नीतू - बॉक्सिंग
स्वीटी - बॉक्सिंग
वंतिका अग्रवाल - शतरंज
सलीमा टेटे - हॉकी
अभिषेक - हॉकी
संजय - हॉकी
जर्मनप्रीत सिंह - हॉकी
सुखजीत सिंह - हॉकी
राकेश कुमार - पैरा-आर्चरी
प्रीति पाल - पैरा-एथलेटिक्स
सचिन सरजेराव खिलारी - पैरा एथलेटिक्स
धर्मबीर - पैरा एथलेटिक्स
प्रणव सूर्मा - पैरा एथलेटिक्स
एच होकातो सेमा - पैरा एथलेटिक्स
सिमरन - पैरा एथलेटिक्स
नवदीप - पैरा एथलेटिक्स
थुलासिमाती मुरुगेसन - पैरा बैडमिंटन
नित्या श्री सुमाथी सिवान - पैरा बैडमिंटन
मनीषा रामदास - पैरा बैडमिंटन
कपिल परमार - पैरा जूडो
मोना अग्रवाल - पैरा निशानेबाजी
रुबीना फ्रांसिस - पैरा निशानेबाजी
स्वप्निल सुरेश कुसाले - निशानेबाजी
सरबजोत सिंह - निशानेबाजी
अभय सिंह - स्क्वैश
साजन प्रकाश - तैराकी
अमन सहरावत - कुश्ती

अर्जुन अवॉर्ड (लाइफटाइम)

सुचा सिंह - एथलेटिक्स
मुरलीकांत राजाराम पेटकर - पैरा तैराक

द्रोणाचार्य अवॉर्ड (नियमित वर्ग)

सुभाष राणा - पैरा निशानेबाजी
दीपाली देशपांडे - निशानेबाजी
संदीप सांगवान - हॉकी

द्रोणाचार्य अवॉर्ड (लाइफटाइम वर्ग)

एस मुरलीधरन - बैडमिंटन
अरमांडो एगनेलो कोलासो - फुटबॉल

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार

फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी)

मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी - ओवरऑल विनर
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी - प्रथम उपविजेता
अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी - द्वितीय उपविजेता

रोहित शर्मा को बाहर करने के भारतीय टीम प्रबंधन के फैसले पर भड़के सिद्धू

पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निर्णायक पांचवें टेस्ट से कप्तान रोहित शर्मा को बाहर करने के भारतीय टीम प्रबंधन के फैसले की आलोचना की है।

रोहित ने मैच के लिए आराम करने का "विकल्प" चुना और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सिडनी टेस्ट के लिए कप्तानी की। उन्होंने पहले पर्थ में शुरूआती टेस्ट में भारत को जीत दिलाई थी।

सिद्धू का मानना है कि कप्तान को कभी भी बीच में नहीं हटाया जाना चाहिए और न ही उसे बाहर होने का विकल्प दिया जाना चाहिए - क्योंकि इससे गलत संकेत जाते हैं। मार्क टेलर और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे पिछले कप्तानों से तुलना करते हुए, जिन्हें खराब फॉर्म के बावजूद बरकरार रखा गया था, सिद्धू ने तर्क दिया कि रोहित भी इसी तरह के व्यवहार के हकदार थे।

सिद्धू ने कहा,"कप्तान को कभी भी बीच में नहीं हटाया जाना चाहिए और न ही बाहर होने का विकल्प दिया जाना चाहिए ... इससे गलत संकेत जाते हैं ... मार्क टेलर, अजहरुद्दीन आदि जैसे कप्तानों को खराब फॉर्म के बावजूद एक साल तक कप्तान के रूप में बने देखा है... रोहित प्रबंधन से अधिक सम्मान और विश्वास के हकदार थे... विचित्र है क्योंकि यह भारतीय क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ..।"

सिद्धू ने एक्स पर पोस्ट किया, "एक गिरे हुए प्रकाशस्तंभ की तुलना में एक चट्टान अधिक खतरनाक है!" रोहित कप्तान के रूप में लगातार हार के बाद जांच के घेरे में हैं। भारत का प्रदर्शन काफी गिर गया था, टीम ने उनके नेतृत्व में अपने पिछले छह टेस्ट मैचों में से पांच में हार का सामना किया था। सबसे खराब प्रदर्शन पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हारना था, जिससे भारतीय धरती पर 12 साल का अजेय क्रम समाप्त हो गया। हालांकि, इन असफलताओं के बावजूद, सिद्धू सहित कई लोगों का मानना है कि मंदी के दौरान रोहित को दरकिनार करना क्रिकेट समुदाय को गलत संदेश देता है।

हालांकि, भारत की पुनर्गठित बल्लेबाजी लाइनअप ने पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के सीम अटैक के सामने संघर्ष किया, अपनी पहली पारी में केवल 185 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन 9/1 पर समाप्त किया, जिसमें बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केवल 2 रन पर आउट करके भारत के लिए उम्मीद की किरण दिखाई।

केकेएफआई ने पहले खो खो विश्व कप के लिए ट्रॉफी और शुभंकर का अनावरण किया

खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने 13-19 जनवरी को होने वाले पहले खो खो विश्व कप के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तत्वावधान में, इस टूर्नामेंट में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में छह महाद्वीपों के 24 देशों की 21 पुरुष और 20 महिला टीमें हिस्सा लेंगी।

विश्व कप में दो ट्रॉफी होंगी - पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए एक नीली ट्रॉफी और महिलाओं की स्पर्धा के लिए एक हरी ट्रॉफी। दोनों ट्रॉफी अपने समकालीन डिजाइन के माध्यम से खो खो की भावना को दर्शाती हैं, जिसमें घुमावदार वक्र और सुनहरे आंकड़े हैं।

नीली ट्रॉफी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफी विकास और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों ही टुकड़ों में जटिल क्रिस्टल डिटेलिंग है जो प्रतियोगिता के उच्चतम स्तर पर अपेक्षित सटीकता और उत्कृष्टता का प्रतीक है।

केकेएफआई ने टूर्नामेंट के आधिकारिक शुभंकर के रूप में काम करने वाली जोड़ी 'तेजस' और 'तारा' को भी पेश किया। ये शुभंकर खेल की गति, चपलता और टीम वर्क की मुख्य विशेषताओं को दर्शाते हैं।

तेजस, जो प्रतिभा और ऊर्जा का प्रतीक है, और तारा, जो मार्गदर्शन और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करती है, को पारंपरिक भारतीय रूपांकनों से सजी जीवंत नीले और नारंगी खेल पोशाक में दर्शाया गया है, जो खेल की विरासत और इसके आधुनिक आकर्षण दोनों का जश्न मनाता है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, "हम अपने सभी हितधारकों के बहुत आभारी हैं जो खो खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन संस्करण का समर्थन करेंगे। विश्व कप को डिज्नी+ हॉटस्टार पर मुफ्त में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा और डीडी स्पोर्ट्स पर भी मुफ्त में प्रसारित किया जाएगा, जो भारत के स्वदेशी खेल के लिए एक बड़ा बढ़ावा है। यह विश्व कप खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम है, और हमारे सभी भागीदारों की मदद से, हम दुनिया को खो खो की सुंदरता दिखाने की उम्मीद करते हैं। हमारे शुभंकर तेजस और तारा खेल की गति, चपलता और टीम वर्क की मुख्य विशेषताओं का प्रतीक हैं।"

सुधांशु मित्तल ने कहा, "और ट्रॉफी - पुरुषों के टूर्नामेंट के लिए नीला और महिलाओं की ट्रॉफी के लिए हरा - एकता और सद्भाव का प्रतीक है, और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेगा।"

"यह विश्व कप खो खो के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमारे स्वदेशी खेल को एक वैश्विक घटना में बदल रहा है। 24 देशों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया खो खो की सार्वभौमिक अपील और खेल के माध्यम से विविध संस्कृतियों को एकजुट करने की इसकी क्षमता को दर्शाती है।"

क्रिस्टल डिसूज़ा ने समुद्र तट पर फोटोशूट के साथ नए साल का स्वागत किया

टेलीविजन अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूज़ा ने शांत समुद्र तट पर फोटोशूट और एक चिंतनशील पोस्ट के साथ नए साल का स्वागत किया है। सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें साझा करते हुए, अभिनेत्री शांत और संतुष्ट दिखाई दीं, प्रकृति की सुंदरता में डूबी हुई, उन्होंने 2024 को अलविदा कहा और नए साल का स्वागत किया। अपने दिल को छू लेने वाले कैप्शन में, 'एक हजारों में मेरी बहना है' की अभिनेत्री ने लिखा, "नया साल, वही पुरानी मैं, बस कुछ नए अनुभवों, सबक और ढेर सारे आत्म-प्रेम के साथ। 2024, आप अपने अराजक तरीके से सुंदर थे, आप सीख, अहसास और ढेर सारी अद्भुत यादों के साथ चले गए हैं। प्रिय 2025, यह देखने का इंतजार कर रहा हूँ कि आपके पास क्या है।"

क्रिस्टल एक स्टाइलिश आउटफिट में अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने सनग्लास के साथ पेयर किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने गेटवे से तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए। पेशेवर मोर्चे पर, डिसूज़ा ने 2007 में टेलीविजन शो "कहे ना कहे" में किंजल की भूमिका के साथ अभिनय की शुरूआत की। हालाँकि, उन्हें हिट श्रृंखला "एक हजारों में मेरी बहना है" में जीविका की अपनी सफल भूमिका से व्यापक पहचान मिली। वह 'क्या दिल में है', 'कस्तूरी', 'सात फेरे: सलोनी का सफर', 'किस देश में है मेरा दिल', 'बात हमारी पक्की है' जैसे शो और 'बेलन वाली बहू' में मुख्य किरदार के लिए जानी जाती हैं। क्रिस्टल ने "ये रिश्ता क्या कहलाता है," "इस प्यार को क्या नाम दूं?", "साथ निभाना साथिया," "दीया और बाती हम," "प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा," "बड़े अच्छे लगते हैं," "सरोजिनी – एक नई पहल," "कुंडली भाग्य" जैसे कई हिट शो में अतिथि भूमिका निभाई है।

निया शर्मा ने अनैतिक व्यवहार के लिए टैलेंट एजेंसी को फटकार लगाई

टेलीविजन अभिनेत्री निया शर्मा ने हाल ही में टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी पैनाचे एंटरटेनमेंट की उनके 'अनैतिक' व्यवहार और गैर-पेशेवर रवैये के लिए आलोचना की। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, अभिनेत्री ने उन्हें "पूरी तरह से असफल" कहा और दावा किया कि उन्होंने उनका दिन खराब कर दिया। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर निया ने लिखा, "पैनाचे एंटरटेनमेंट... प्रतिभा। पी-यश पैन-डे... कोई हिम्मत नहीं, कोई गौरव नहीं... तुम चु***या हो और मुझे कोई खेद नहीं है। आज मैंने पूरी तरह से असफल लोगों से निपटा। मेरा दिन खराब कर दिया.. मेरा खून खौला। उनका दुरुपयोग किया.. सही है। जब वे आपसे बेहतर हो जाते हैं। उन्हें गाली देना ही एकमात्र शांत करने वाली चीज है। बात करने का कोई और तरीका नहीं है।"

उन्होंने कहा, "उन्हें उनकी जगह दिखाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है.. आप किसी के पेशेवर स्पेस में प्रवेश नहीं करते, अनैतिक बनें और बच निकलें। आप ऐसा नहीं करेंगे। आप नहीं कर सकते। समस्या यह है कि मैं आपकी बकवास और झूठ को बर्दाश्त करने के लिए बहुत नैतिक हूँ। अगर आप अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान नहीं कर सकते तो मेरे साथ पेशेवर रूप से न जुड़ें। मेरी लेन से दूर रहें।" निया ने इससे पहले तब सुर्खियाँ बटोरी थीं जब रोहित शेट्टी ने खतरों के खिलाड़ी 14 के ग्रैंड फिनाले के दौरान उन्हें बिग बॉस 18 के लिए पहली प्रतियोगी के रूप में घोषित किया था। हालाँकि, बाद में उन्होंने इस खबर का खंडन किया।

निया ने अपने प्रशंसकों से माफी मांगी और अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, "प्रशंसकों और शुभचिंतकों से मैंने निराश किया है, क्षमा करें। जबरदस्त समर्थन, प्यार और पागलपन भरे प्रचार से वास्तव में अभिभूत हूँ! मुझे लगभग एहसास हो गया कि मैंने पिछले 14 वर्षों में क्या कमाया है। मैं यह नहीं कह सकती कि मुझे प्रचार और ध्यान पसंद नहीं आया। लेकिन कृपया मुझे दोष न दें। यह मैं नहीं थी।" काम के मोर्चे पर, निया को आखिरी बार टेलीविजन धारावाहिक, सुहागन चुड़ैल में देखा गया था, जिसमें जैन इबाद खान और देबचंद्रिमा सिंघा रॉय सहित अन्य कलाकार थे। वह लाफ्टर शेफ्स का भी हिस्सा थीं, जिसमें अंकिता लोखंडे, करण कुंद्रा, विक्की जैन, अर्जुन बिजलानी, एली गोनी, राहुल वैद्य, रीम समीर, जन्नत जुबैर, सुदेश लहरी, कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह भी थे।

2025 के लिए प्रियंका चोपड़ा ने तय किया 'लक्ष्य'

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास ने खुलासा किया बेटी और पति के साथ 2025 का खुलकर स्वागत किया। फैंस संग अपने जीवन के अनमोल पल साझा किए। साथ ही बताया कि अब उनका लक्ष्य क्या है? प्रियंका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी सहित कई तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर में प्रियंका ऑरेंज रंग की बिकिनी पहन अपने आलीशान विला की छत पर खड़ी दिखाई दे रही हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में वह बीच पर निक के साथ लाल बिकिनी पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जबकि उनकी बेटी पानी के साथ खेल रही है। एक अन्य तस्वीर में अभिनेत्री जेट स्की पर बैठी नजर आ रही हैं। जबकि अन्य तस्वीरों में प्रियंका और बेटी मालती साथ में नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, " जिंदगी को खुलकर जीना ही 2025 के लिए मेरा लक्ष्य है। खुशी, आनंद और शांति हो। हम सभी को इस नए साल में बहुत कुछ मिले। अपने परिवार के लिए बहुत आभारी हूं। 2025 की शुभकामनाएं। ऐसी शानदार यादों के लिए शुक्रिया।"

नए साल की पूर्व संध्या पर प्रियंका ने साझा किया कि कैसे वह उन लोगों को हैंडल करती हैं जिनसे बुरी वाइब्स आती हैं।

उन्होंने एक शेयर किया, जिसमें नकारात्मक ऊर्जा वाले लोगों के साथ कैसे निपटना है, इसके बारे में बताया गया है। वीडियो में एक लड़की एक स्प्रे का इस्तेमाल करते हुए दिखाई दे रही। क्लिप में लिखा है, "मैं उन लोगों को बधाई देती हूं, जो बुरी ऊर्जा से भरे हैं।" उनके पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, जिनमें हेड्स ऑफ स्टेट भी शामिल है। इसमें उनके साथ इदरीस एल्बा और जॉन सीना दिखाई देंगे। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है। वह द ब्लफ में 19वीं सदी के कैरेबियन समुद्री डाकू की भूमिका भी निभाएंगी। यह एक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन भी फ्लॉवर कर रहे हैं। फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और वेदांतेन नायडू मुख्य भूमिका में हैं।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes